www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
2 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 119 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी की बुक 'बिलॉन्गिंग' पर पेंगुइन का यू-टर्न

● बताई पूरी बात,10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होनी है किताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की लॉन्ग अवेटिड किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' भारत में छपने से पहले ही विवादों में आ गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने अब साफ किया है कि किताब के प्रकाशन से पीछे हटने के पीछे किसी तरह का बाहरी या सरकारी दबाव नहीं था। प्रकाशक के मुताबिक, लेखक की टीम और प्रकाशक के बीच एक खास मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी थी। यह किताब सोनिया गांधी के इटली में बचपन से लेकर राजीव गांधी से उनके रिश्ते, नेहरू-गांधी परिवार में उनके आने, परिवार में हुए बड़े व्यक्तिगत दुखों और भारत के साथ उनके रिश्ते की कहानी बताती है।

थलपति विजय ने खुद खोले मेट्टूर बांध के द्वार

● 45 दिनों में कावेरी नदी का पानी 12 जिलों के किसानों तक पहुंचेगा

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को कावेरी डेल्टा के जिलों में सिंचाई के लिए मेट्टूर स्थित स्टेनली जलाशय के जल निकासी द्वार खोले और पानी छोड़ा। विजय

ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों की मौजूदगी में एक बटन दबाकर जलाशय के द्वार खोले। इसके बाद उन्होंने तेज बहाव के साथ निकल रहे पानी पर फूल बरसाकर कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने की शुरुआत की।

ममता की भतीजी का शव मिला, सुसाइड की आशंका

● शिक्षक भर्ती घोटाले में चली गई थी नौकरी,3 सालों से डिप्रेशन में थीं

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भतीजी ब्रिष्टि मुखर्जी ने मंगलवार को बीरभूम के कुसुम्बा गांव में सुसाइड कर लिया। ब्रिष्टि, ममता के चचेरे भाई और तृणमूल नेता निहार मुखर्जी की बेटी थीं। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि ब्रिष्टि ने सुसाइड किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2024 को अवैध रूप से प्राप्त सभी 25,753 नौकरियां रद्द कर दी थीं।

'सुप्रीम' आदेश, सीजेपी प्रदर्शन की सभी एफआईआर रद्द

● कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का प्रोटेस्ट वापस लिया ● सुप्रीम कोर्ट का फैसला,नई एफआईआर भी दर्ज नहीं होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। हालांकि सरकार ने यह भी कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के डेटाबेस के मुताबिक, दिल्ली में क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले 2,873 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहेगा। जांच केवल शारीरिक क्षति या संपत्ति को नष्ट करने के अपराधों तक ही सीमित रहेगी। सुनवाई से पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर के मार्च को वापस लेने का फैसला किया है। प्रवक्ता सौरव ने बताया कि केंद्र ने उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद सीजेपी नेताओं से किए गए तीनों वादे पूरे करने के लिए सरकार वचनबद्ध है।

सरकार अपने तीनों वादों को पूरा करने को प्रतिबद्ध

केंद्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र, सीजेपी के नेताओं के साथ हुई बैठक में दिए गए तीनों आश्वासनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहला आश्वासन यह था कि केंद्र 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच दर्ज एफआईआर पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करेगा। दूसरा वादा यह दिया गया कि इस मामले में कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। तीसरा भरोसा यह था कि सरकार उन छात्रों के परिवारों को मुआवजा देगी जिन्होंने कथित तौर पर नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या की थी। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, केंद्र सरकार नीट परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने के सीजेपी नेताओं से किए गए वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है; हालांकि, इसके तौर-तरीके तय करने में 3 महीने का समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल, हम तीनों वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बात केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली और अन्य राज्यों में नीट पेपर लीक के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान कथित हिंसा के लिए छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिका दायर करने के एक दिन बाद सामने आई है।

सीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन न करने का किया ऐलान

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेपी के सौरव दास ने कहा, मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत सरकार के सकारात्मक आश्वासनों और आज उन्हें मिली न्यायिक मान्यता को देखते हुए, और इस कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए, कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को होने वाले मार्च के आह्वान को वापस लेना उचित समझता है। उम्मीद है कि सरकार अपने वचन का पालन करेगी।

भारत को बड़ा डिफेंस ऑफर देने की तैयारी में है दोस्त रूस

एस-500 से एसयू-57 जेट तक खोला हथियारों का पिटारा

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस भारत को एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान और एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम बेचने के लिए बहुत बड़ा प्रस्ताव देने की तैयारी

कर रहा है। सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई। यह मुलाकात नई दिल्ली में इस महीने दोनों नेताओं की होने वाली बैठक से कुछ दिन पहले हुई है। इस बीच मॉस्को अपने दो सबसे एडवांस्ड हथियार सिस्टम एस-500 प्रोमेथियस एयर डिफेंस एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम और एसयू-57 फेलन स्टील्थ फाइटर को लेकर बहुत बड़ी पेशकश की तैयारी करने जा रहा है। यह नई पहल ऐसे समय में हो रही है जब भारत अपने एयर डिफेंस सिस्टम और लड़ाकू विमानों की ताकत को तेजी से मजबूत कर रहा है।

भारत को नया प्रस्ताव देने की तैयारी में रूस

मॉस्को की इस पेशकश के केंद्र में एस-500 प्रोमेथियस है जो रूस का सबसे नया लंबी दूरी का एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। मॉस्को एस-500 को भारत-रूस एयर डिफेंस पार्टनरशिप में अगले संभावित कदम के तौर पर पेश कर रहा है।

कोल्हू नदी के तेज बहाव में बहा परिवार, मां-बेटी की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश की सीमा पर सनेह क्षेत्र में मंगलवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। कोल्हू नदी पार करते समय मोटर साइकिल सवार पति-पत्नी और उनकी एक वर्षीय मासूम बच्ची तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह पति को बचा लिया, लेकिन उसकी पत्नी और मासूम बेटी बह गईं। करीब एक घंटे की तलाश के बाद घटना स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर दोनों के शव बरामद हुए। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना मंगलवार दोपहर करीब दो बजे की है। सिगड्डी क्षेत्र के जंगल में रहने वाला वन गुज्जर सद्दाम पुत्र रोशनदीन अपनी पत्नी जेनम (23) और एक वर्षीय बेटी शहजादी उर्फ आफिया के साथ उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के ग्राम कोटकादार में अपनी बहन से मिलने गया था। दोपहर में तीनों मोटर साइकिल से वापस लौट रहे थे। कोल्हू नदी के समीप पहुंचने पर उन्होंने नदी का तेज बहाव देखा। खतरा भांपते हुए सद्दाम ने मोटर साइकिल किनारे खड़ी कर दी और बहाव कम होने का इंतजार करने लगा। इसी दौरान कुछ अन्य मोटर साइकिल सवार नदी पार कर दूसरे छोर पर पहुंच गए। उन्हें नदी पार करते देख सद्दाम ने भी हिम्मत जुटाई और पत्नी व बच्ची को मोटर साइकिल पर बैठाकर नदी पार करने लगा। अभी वह नदी के बीच में ही पहुंचा था कि अचानक मोटर साइकिल अनियंत्रित हो गई। देखते ही देखते तीनों तेज बहाव में बहने लगे। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग तुरंत नदी की ओर दौड़े और प्रयास कर सद्दाम को बाहर निकाल लिया। हालांकि उसकी पत्नी जेनम और मासूम बेटी शहजादी बहाव में काफी दूर तक चली गईं। सूचना मिलने पर कोटद्वार पुलिस, एसडीआरएफ की टीम और ग्राम कोटकादार से भी लोग मौके पर पहुंचे और उनकी तलाश शुरू की गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद घटना स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर मां-बेटी के शव बरामद किए गए।

जान जोखिम में डाल रहे लोग

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर स्थित कोल्हू नदी पर पुल प्रस्तावित है, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो सका है। ऐसे में स्थानीय लोगों और नदी पार करने वालों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। बरसात के दौरान नदी का जल स्तर और बहाव बढ़ने से खतरा और अधिक बढ़ जाता है। हादसे की सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान में जुट गई।

नेपाल में फिर बाढ़ का अलर्ट, भय का माहौल

नदियों का जलस्तर बढ़ा, मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद 7 जिलों में बाढ़ का नया अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहूं, नवलपरासी और चितवन जिलों में नदियों के किनारे बसे इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल के कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। इस आपदा में मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हो चुका है। नेपाल में 1003 और तिब्बत में 16 लोगों की मौत हुई है। चितवन में अब तक सबसे ज्यादा 321 शव बरामद हुए हैं। जबकी 4400 से ज्यादा लोग

लापता हैं। चीन नेपाल में डीएनए जांच करने वाले विशेषज्ञों की टीम भेजेगा। इसका मकसद बाढ़ में मारे गए उन लोगों की पहचान करने में मदद करना है, जिनकी पहचान नहीं हो पा रही है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

नेपाल में सैकड़ों अज्ञात शव सामूहिक कब्रों में दफन

नेपाल- तिब्बत में आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या 1000 के पार चली गई है। सबसे ज्यादा शव चितवन में मिले हैं। यहां मॉर्चुरी में जगह कम पड़ने और स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ने के कारण अधिकारियों ने अज्ञात शवों को सामूहिक कब्रों में दफनाना शुरू किया है। बाद में पहचान हो सके, इसके लिए हर शव को एक अलग पहचान संख्या दी गई है, ताकि परिजन भविष्य में उन्हें पहचान सकें।

एक लाश पर तीन परिवारों का दावा, डीएनए जांच होगी

नेपाल में बाढ़ के बाद शवों की पहचान करना मुश्किल हो गया है। पोखरा के एक अस्पताल में रखे गए शव नंबर 1003 पर तीन परिवारों ने दावा किया है। अब इसकी पहचान डीएनए टेस्ट से होगी। बड़ी संख्या में परिवार अब अपने लापता परिजनों की पहचान के लिए डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कुछ परिजन फोटो, कपड़ों, गहनों, टैटू और शरीर के निशानों के आधार पर पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। तिब्बत में बाढ़ और भूस्खलन के एक हफ्ते बाद भी रेस्क्यू अभियान जारी है। टीमें चीन-नेपाल सीमा तक जाने वाली आखिरी 1 किमी सड़क को दोबारा जोड़ने में जुटी हैं। तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण राहत कार्य में दिक्कत आ रही है। प्रशासन ने नए भूस्खलन और ग्लेशियर टूटने का खतरा भी जताया है। तिब्बत में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 546 लोग लापता हैं।

जेल में बंद श्वेता जैन ही है गिरोह की मास्टरमाइंड

इंदौर हनीट्रैप केस में पुलिस ने की चार्जशीट दाखिल

इंदौर (एजेंसी)। शराब कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाकर एक करोड़ रुपए की डिमांड करने के मामले में सभी आरोपी जेल में बंद हैं। अब आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में कई खुलासे हुए हैं। साथ ही यह भी साफ है कि इस हनीट्रैप गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। दरअसल,

श्वेता जैन, रेशू चौधरी और अलका दीक्षित समेत अन्य आरोपियों ने इंदौर के शराब कारोबारी चिंटू को हनी ट्रैप की जाल में फंसाया था। इसके बाद एक करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे। आरोपी शराब करोबारी को लगातार धमका रहे थे। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया था।

जेल से बाहर आकर बनाई नई गैंग

चार्जशीट पिछले सप्ताह दाखिल हुई थी। इसके अनुसार इस पूरे गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। श्वेता जैन पहले भी हनी ट्रैप मामले में जेल जा चुकी है। जेल से निकलने के बाद श्वेता जैन ने एक अलग से गैंग बनाई है। इस गैंग में रेशू और अलका दीक्षित समेत अन्य लोगों को शामिल किया।

ब्राजील से यारी,भारत कर रहा 30 अरब डॉलर के ट्रेड की तैयारी

ब्राजील में दवाओं के निर्यात पर फोकस, रख दी है अपनी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्राजील के रिश्तों में नजदीकियां बढ़ रही हैं। दोनों देश आपसी व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं। इसी दिशा में भारत ने ब्राजील में दवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी कर ली है। इसके लिए ब्राजील से ज्यादा भरोसेमंद रेगुलेटरी माहौल की मांग की गई है। भारत का कहना है कि इससे सस्ती और अच्छी क्वालिटी की दवाएं आसानी से मिल सकेंगी। सभी के लिए हेल्थकेयर को बेहतर बनाने की कोशिशों को मजबूती मिलेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, ब्राजीलिया में भारत-ब्राजील ट्रेड मॉनिटरिंग मैकेनिज्म की आठवीं बैठक में भारतीय दवाओं के लिए मार्केट तक पहुंच आसान बनाने की दिशा में प्रगति हुई।

सरकार ने बताया, भारत ने ज्यादा भरोसेमंद रेगुलेटरी प्रक्रियाओं का समर्थन करने और मार्केट तक पहुंच को आसान बनाने की जरूरत पर बल दिया। भारत और ब्राजील इस बात पर भी सहमत हुए कि भारत और दक्षिण अमेरिकी ब्लॉक मर्कोसुर के बीच मौजूदा ट्रेड समझौते का दायरा बढ़ाने के लिए बातचीत की शर्तों (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए।

2009 में लागू हुआ था एग्रीमेंट

मर्कोसुर में ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं। भारत-मर्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट 1 जून, 2009 को लागू हुआ था। मिनिस्ट्री ने कहा,भारतम र्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट में विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है। 2025 में भारत-मर्कोसुर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचने के साथ दोनों पक्षों ने बातचीत की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने का वादा किया। 2025-26 में भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

मोदी की फिर अपील, जरूरत नहीं हो तो सोना अभी न खरीदें

वैश्विक संकट में भारत की जीडीपी 7.8 फीसदी दर से बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। पीएम ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 11 मई को भी पीएम ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। पीएम मोदी ने कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने और झूठ की गूंज के सहारे

माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा।

राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान से मिला उत्तराखण्ड : मुख्यमंत्री

खटीमा गोलीकांड के शहीद राज्य आंदोलनकारियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने खटीमा गोलीकांड के शहीद राज्य आंदोलनकारियों की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य आंदोलनकारियों के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को राज्य सरकार की नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान खटीमा गोलीकांड में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों भगवान सिंह सिरौला, प्रताप सिंह, रामपाल, सलीम अहमद, गोपीचंद, धर्मानन्द भट्ट और परमजीत सिंह को स्मरण करने का दिन है। उत्तराखण्ड का प्रत्येक नागरिक इन वीर सपूतों के बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। राज्य आंदोलन से जुड़े अपने अनुभवों को स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा गोलीकांड ने पृथक उत्तराखण्ड राज्य के लिए चल रहे आंदोलन को नई दिशा दी और लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। हम सभी मिलकर राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप उत्तराखण्ड का निर्माण करें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा की धरती राज्य आंदोलन की तपोभूमि है। यदि इसे उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन की जननी कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। राज्य निर्माण के संघर्ष को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि खटीमा, मसूरी और रामपुर तिराहा जैसी घटनाओं में राज्य आंदोलनकारियों ने अपने रक्त से उत्तराखण्ड का इतिहास लिखा है।

देहरादून की सड़कों पर चलेगा गड्ढामुक्ति का महाअभियान

देहरादून, मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद देहरादून में सड़कों और स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने संबंधित विभागों को स्पष्ट समयसीमा तय करते हुए सड़कों को गड्ढामुक्त करने और खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। मानसून अवधि समाप्त होते ही 15 सितंबर से जिलेभर में सड़कों की मरम्मत का अभियान युद्धस्तर पर शुरू किया जाएगा। निर्माणदायी एजेंसियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की सड़कों का सर्वे पूरा कर लिया है और टेंडर प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने 30 अक्टूबर 2026 तक जिले की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा है।

1.14 लाख से अधिक स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था

सड़क सुधार के साथ शहर की प्रकाश व्यवस्था पर भी प्रशासन की नजर है। नगर निगम देहरादून क्षेत्र में कुल 1,14,171 स्ट्रीट लाइटें हैं। इनमें से 169 लाइटों के खराब होने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनके तत्काल निस्तारण के लिए नगर निगम ने 40 विशेष टीमें मैदान में उतारी हैं। टीमें मसूरी डायवर्जन, बड़ोवाला, सर्वे ऑफ इंडिया कैंपस, कमला पैलेस-शिमला बाईपास, हरिद्वार बाईपास, सहस्त्रधारा क्रॉसिंग-आईटी पार्क रोड, आईएसबीटी-निरंजनपुर, दर्शनलाल चौक, सुभाष रोड-रेसकोर्स और फव्वारा चौक-नेहरू कॉलोनी समेत विभिन्न क्षेत्रों में खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और जरूरत के अनुसार उन्हें बदलने का काम कर रही हैं।

एक नजर

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में करें आवेदन

नई टिहरी। समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) प्रतापनगर, कौशल और रोतु की बेली में रिक्त सीटों पर आवेदन पत्र मांगे गए हैं। एससी, एसटी, ओबीसी और सामान्य वर्ग में बीपीएल श्रेणी की इच्छुक छात्राएं छात्रावास के लिए आवेदन कर सकती हैं। केजीबीवी में छात्राओं को शिक्षा निशुल्क प्रदान की जाती है। मुख्य शिक्षाधिकारी/परियोजना अधिकारी कमला बडवाल ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं को पूरी तरह से निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। जिले में संचालित सात केजीबीवी में बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवासीय वातावरण और प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। केजीबीवी अखोड़ी और केजीबीवी प्रतापनगर छात्रावास में कक्षा नौ से कक्षा 12वीं तक, केजीबीवी रैंसाल और केजीबीवी सुजड़गांव में कक्षा छह से कक्षा आठ तक, केजीबीवी आमपाटा, रौतु की बेली और कौशल में कक्षा छह से कक्षा 12वीं तक शिक्षा प्रदान की जा रही है। केजीबीवी प्रतापनगर में अभी 48 सीटें रिक्त है जबकि कौशल में 20 और रौतुकीबेली में आठ सीटें रिक्त हैं।

लंबी कतार से मिलेगी राहत, मोबाइल से मिलेगा ओपीडी टोकन

रुद्रप्रयाग। जिला अस्पताल में ओपीडी पर्ची के लिए मरीजों और तीमारदारों को अब पंजीकरण काउंटर पर लंबी कतार में नहीं लगना पड़ेगा। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत अस्पताल में स्कैन एंड शेयर सुविधा शुरू की गई है। मरीज अस्पताल के बाहर लगे क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर डिजिटल ओपीडी टोकन प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस स्कैनर को शेयर कर सकता है। इससे घर बैठे ही लोग अस्पताल से डीजिटल ओपीडी प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद अस्पताल पहुंचकर निर्धारित शुल्क जमा कर ओपीडी पर्ची ली जा सकेगी।पंजीकरण के लिए आभा आईडी, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड की सुविधा उपलब्ध है। आभा और आरोग्य सेतु जैसे समर्थित माध्यमों से भी इसका उपयोग किया जा सकता है। एबीडीएम के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष पांडे ने बताया कि करीब एक महीने के ट्रायल के बाद सुविधा आम लोगों के लिए शुरू की गई है। चंपावत के बाद रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल प्रदेश का दूसरा पहाड़ी चिकित्सालय है, जहां यह सुविधा शुरू हुई है। इससे पंजीकरण में लगने वाला समय कम होगा और मरीजों को कतार से राहत मिलेगी।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए लगेंगे शिविर

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में सितंबर माह के दौरान छह निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों का आयोजन विवेकानंद नेत्रालय व देहरादून के किशनपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के माध्यम से किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि 2 सितंबर को सीएचसी जखोली, 5 सितंबर को ग्राम सभा मनसूना, 11 सितंबर को स्वामी रामकृष्ण विवेकानंद सेवा आश्रम गुप्तकाशी, 16 सितंबर को सीएचसी अगस्त्यमुनि, 22 सितंबर को पीएचसी भीरी और 26 सितंबर को पीएचसी चंद्रनगर में शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने लोगों से शिविरों का लाभ उठाने की अपील की है।

बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण बनाएं

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने वन स्टॉप सेंटर और संगम पुस्तकालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं और बालिकाओं को दी जा रही सेवाओं, परामर्श, विधिक एवं पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा और आश्रय व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। डीएम ने निर्देश दिए कि केंद्र पर पहुंचने वाली पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, संवेदनशील और सम्मानजनक माहौल मिले। उन्होंने बताया कि एक पुस्तकालय दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं अभियान के तहत जिले में 1000 पुस्तकों का लक्ष्य रखा गया था। इसके सापेक्ष अब तक 2500 पुस्तकें प्राप्त हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अभियान के तहत 150 पुस्तकें उपलब्ध कराई हैं। जिलाधिकारी ने पुस्तकालय में अध्ययन करने आए बच्चों से बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने और पुस्तकालयों को अधिक उपयोगी बनाने पर जोर दिया।

हैदराबाद प्रेस दौरे पर उत्तराखंड के 15 सदस्यीय मीडिया दल ने किया दौरा

देहरादून/हैदराबाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पीआईबी देहरादून की ओर से आयोजित हैदराबाद प्रेस दौरे पर उत्तराखंड का 15 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल 31 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक अध्ययन दौरे पर है। दल का नेतृत्व पीआईबी देहरादून के सहायक निदेशक संजीव सुंद्रियाल कर रहे हैं। दौरे के दौरान मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र का भ्रमण किया। यहां पत्रकारों को भारत की महासागर निगरानी क्षमता, सुनामी चेतावनी प्रणाली, समुद्री पूर्वानुमान और आपदा संबंधी अलर्ट जारी करने की आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। दौरे के पहले दिन प्रतिनिधिमंडल ने पीआईबी हैदराबाद का भी दौरा किया। इस दौरान अपर महानिदेशक श्रुति पाटिल, संयुक्त निदेशक डॉ. मानस कृष्णकांत सहित अधिकारियों से बातचीत हुई। अधिकारियों ने तेलंगाना में बदलते मीडिया परिदृश्य तथा केंद्र सरकार की नीतियों और योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए पीआईबी एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो (उइउ) की ओर से संचालित संचार और आउटरीच कार्यक्रमों की जानकारी दी।

प्रेस दौरे के आगामी चरण में मीडिया दल भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय पोषण संस्थान और एरव्ड अस्पताल का दौरा करेगा। इन संस्थानों के माध्यम से पत्रकारों को पोषण अनुसंधान, सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं को समझने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, हैदराबाद में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित हैंडलूम प्रदर्शनी का भी मीडिया दल ने अवलोकन किया।

महिलाओं को सिखाए एआई और साइबर सुरक्षा के गुर

ऋषिकेश, राष्ट्रीय महिला आयोग एवं उत्तराखंड राज्य महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को पं. ललित मोहन शर्मा परिसर, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, ऋषिकेश के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में ह्यआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर राज्य स्तरीय महिला जागरूकता एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का शुभारंभ ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल, उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल, ऋषिकेश नगर निगम के महापौर शंभू पासवान, परिसर निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत, आयोग की उपाध्यक्ष चंद्रकला तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने कहा कि महिलाओं के लिए आधुनिक तकनीक की जानकारी के साथ उसका सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल सीखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, विज्ञान एवं तकनीक समेत अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा कर रहा है। महिलाओं को एआई के क्षेत्र में अपने कौशल विकसित करने के साथ साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि तकनीकी विकास ने कृषि, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में कार्यप्रणाली को तेजी से बदला है। उन्होंने एआई और आधुनिक तकनीकों के सकारात्मक एवं जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया।

विधायक ने किया विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण

विकासनगर। विकासनगर विधानसभा क्षेत्र में अत्यधिक भारी बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव और नुकसान का विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। विधायक ने ग्राम पंचायत डूमेट, जमुनापुल (बाढ़वाला) और नवाबगढ़ का दौरा कर प्रभावित ग्रामीणों एवं नागरिकों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने बारिश से हुए नुकसान और जलभराव की स्थिति का जायजा लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को प्रभावित परिवारों तक तत्काल हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा बाधित बुनियादी सुविधाओं को जल्द बहाल करने के लिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। नवाबगढ़ में स्थानीय नागरिकों ने भी बारिश के बाद उत्पन्न समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। इस दौरान विधायक ने अधिकारियों से मौके की स्थिति के अनुसार आवश्यक कदम उठाने को कहा।

सेलाकुई की माया देवी यूनिवर्सिटी में दून पुलिस का औचक निरीक्षण

देहरादून/सेलाकुई। मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत दून पुलिस ने शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर मंगलवार को सेलाकुई स्थित माया देवी यूनिवर्सिटी में पुलिस और चिकित्सकों की संयुक्त टीम ने औचक ड्रग्स जांच अभियान चलाया। अचानक की गई कार्रवाई के दौरान विश्वविद्यालय के 47 छात्र-छात्राओं का ड्रग्स टेस्ट किट के माध्यम से यूरिन टेस्ट किया गया। जांच में सभी छात्र-छात्राओं की रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई।

जांच अभियान के दौरान पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों और इससे होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने छात्रों से नशे से दूर रहने और अपने आसपास भी नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने की अपील की। दून पुलिस ने स्पष्ट किया कि शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों का सेवन अथवा इस्तेमाल किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस की ओर से यह भी चेतावनी दी गई कि यदि कोई छात्र-छात्रा नशे का सेवन या नशीले पदार्थों के इस्तेमाल में संलिप्त पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और संबंधित शिक्षण संस्थान की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है।

प्रशासन सख्त, दो दर्जन से अधिक थोक विक्रेताओं पर छापेमारी

देहरादून। चीनी के बढ़ते मूल्यों और बाजार में संभावित जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने मंगलवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर चलाए गए अभियान के दौरान देहरादून, विकासनगर, सहसपुर और ऋषिकेश में दो दर्जन से अधिक थोक विक्रेता प्रतिष्ठानों की जांच की गई। जिला पूर्ति अधिकारी के.के. अग्रवाल के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में उपलब्ध चीनी के स्टॉक, खरीद-बिक्री विवरण, बिक्री अभिलेख और बाजार में प्रचलित दरों की गहनता से जांच की गई। अधिकारियों ने यह भी देखा कि उपभोक्ताओं से निर्धारित एवं उचित दर से अधिक कीमत तो नहीं वसूली जा रही है। ऋषिकेश में एसडीएम कुमकुम जोशी और विकासनगर में एसडीएम विनोद कुमार के नेतृत्व में भी छापेमारी एवं निरीक्षण की कार्रवाई की गई। अभियान में जीएसटी विभाग के सहायक आयुक्त दीपक सेमवाल समेत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, गन्ना विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। जिला पूर्ति अधिकारी के.के. अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि चीनी की कृत्रिम कमी पैदा करने, जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा अनुचित मूल्य वसूली को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को स्टॉक और बिक्री का विवरण नियमानुसार संधारित करने तथा उपभोक्ताओं को उचित दर पर चीनी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

गौला नदी का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन अलर्ट

हल्द्वानी। गौला नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। प्रशासन की ओर से आमजन से नदी के किनारे नहीं जाने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बचने की अपील की गई है।

प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने तथा नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों में जाने से पूरी तरह बचने को कहा है। जलस्तर बढ़ने की स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। साथ ही, नदी के जलस्तर और मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने को कहा गया है।

जनपदों में लंबित मामलों पर मुख्य सचिव सख्त, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

देहरादून, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपदों से शासन स्तर तक लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने विकास और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर तय समयसीमा में निस्तारित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि शासन स्तर पर लंबित मामलों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और जिलों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभागों को जनपदों की आवश्यकताओं एवं जनहित से जुड़े प्रकरणों पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

लंबे समय से गायब चिकित्सकों की मांगी सूची

स्वास्थ्य विभाग और सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को ऐसे चिकित्सकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, जो लंबे समय से बिना सूचना या अनुमति के अनुपस्थित हैं। ऐसे चिकित्सकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को भी कहा गया।

ई-ऑफिस लागू करने पर जोर

मुख्य सचिव ने जनपद स्तरीय समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को विभागीय सचिवों के संज्ञान में लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-ऑफिस व्यवस्था को गंभीरता से लागू कर फाइलों के निस्तारण में तेजी लाने को कहा। बैठक में विभिन्न विभागों में जनपद एवं विकासखंड स्तर पर रिक्त पदों को भरने, आवश्यकता के अनुसार नए पद सृजित करने, भूमि हस्तांतरण, विभागीय परियोजनाओं की स्वीकृति, बजट उपलब्धता तथा चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

टेलीकॉम और शिक्षा व्यवस्था पर भी निर्देश

मुख्य सचिव ने डिस्ट्रिक्ट टेलीकॉम कमेटी की बैठकें नियमित करने तथा जिलों में नेटवर्क से जुड़ी समस्याओं को डीडीजी टेलीकॉम और सचिव आईटी के संज्ञान में लाकर शीघ्र समाधान कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्य शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अगले 15 दिनों में आवश्यक कार्रवाई पूरी करने को कहा गया।

डेंगू के बढ़ते मामलों पर प्रशासन अलर्ट, हर वार्ड में चलेगा सर्वे

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मामलों को देखते हुए प्रशासन ने रोकथाम के प्रयास तेज कर दिए हैं। मंगलवार को उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर डेंगू की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में डेंगू का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में सभी विभागों को पूरी तरह अलर्ट रहकर काम करना होगा। तहसील में आयोजित बैठक में उपजिलाधिकारी ने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण घरों की छतों, गमलों, खाली डिब्बों और अन्य स्थानों पर पानी जमा हो रहा है। इसमें मच्छरों का लार्वा पनपने की आशंका रहती है। उन्होंने अधिकारियों को लोगों को जागरूक करने के साथ ही जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को प्रत्येक वार्ड में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने और नियमित रूप से फॉगिंग व अन्य आवश्यक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही डेंगू से बचाव को लेकर नगर निगम के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। उपजिलाधिकारी ने आशा कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में टीमें गठित कर घर-घर सर्वे कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान संभावित लार्वा स्थलों को चिह्नित करने के साथ लोगों को डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। बैठक में सहायक नगर आयुक्त अजय अष्टवाल, डेंगू नोडल अधिकारी डॉ. चारू रावत, सफाई निरीक्षक सुनील कुमार, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. बीएम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार तहसील में अधिकारियों की बैठक लेते उपजिलाधिकारी संदीप कुमार।

डॉ. सुनीता डंडरियाल को मिली मानद उपाधि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दिव्य गंगा मिशन हरिद्वार की पहल पर काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी की ओर से हरिद्वार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षिका डॉ. सुनीता डंडरियाल को उल्लेखनीय योगदान के लिए 'विद्या सागर' मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह में बालासौड निवासी शिक्षिका डॉ. सुनीता डंडरियाल को काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी उत्तर प्रदेश द्वारा विद्यासागर (डी.लिट समतुल्य) मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मानपत्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान किए गए। यह सम्मान उन्हें शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बारिश से पापड़गाड उफनाया, मलबा व बोल्डर से क्यार्क गांव के खेतों को नुकसान

उत्तरकाशी। मंगलवार दोपहर को भटवाड़ी क्षेत्र में तेज बारिश होने के कारण पापड़गाड का जलस्तर बढ़ने के कारण उसके साथ मलबा और बोल्डर बहकर आए। इससे क्यार्क गांव के ग्रामीणों की खेती को नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून सीजन में इसका जलस्तर तीन बार बढ़ चुका है। साथ लगातार आ रहा मलबा और बोल्डर दयारा बुग्याल क्षेत्र में भारी भूस्खलन का संकेत दे रहे हैं। इसलिए जल्द ही इसका सर्वे का सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। पापड़गाड का जलस्तर बढ़ने के कारण जिला प्रशासन की ओर से मनेरी डैम सहित जनपद मुख्यालय और धरासू क्षेत्र में अलर्ट जारी किया गया। हालांकि कुछ देर बाद जलस्तर सामान्य होने के बाद सभी ने राहत की सांस ली। पूर्व प्रधान विपिन राणा ने बताया कि इस मानसून सीजन में तीसरी बार पापड़गाड का जलस्तर बढ़ने पर उसमें भारी मलबा और बोल्डर बहकर आ रहे हैं। इससे यही लग रहा है कि दयारा बुग्याल के नहेटा के जंगलों में कहीं पर भारी भूस्खलन हो रहा है। इससे समय रहते नदी के मुहाने का स्थलीय निरीक्षण किया जाना चाहिए। बताया कि पापड़गाड गंगोत्री हाईवे सहित इसके पुल और क्यार्क गांव और चड़ेथी बाजार के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है।

भूस्खलन से सारीगाड़—कण्डारी मोटर मार्ग फिर हुआ बंद

नौगांव (उत्तरकाशी)। भारी भूस्खलन के चलते सारी गाड़–कण्डारी मोटर मार्ग एक बार फिर बंद हो गया है। सोमवार को कड़ी मशक्कत के बाद राजमार्ग निर्माण खंड की मशीनों ने मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला था लेकिन रात में दोबारा भारी भूस्खलन होने से सड़क बंद हो गई। इससे गोडर पट्टी के 27 गांवों के लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई है। मंगलवार को निर्माण एजेंसी की मशीनें दिनभर मार्ग खोलने में जुटी रहीं लेकिन रुक–रुककर हो रही बारिश के कारण मलबा हटाने का काम प्रभावित होता रहा।

लगातार भूस्खलन के चलते मार्ग को खोलने में दिक्कतें आ रही हैं। निर्माण एजेंसी के परियोजना प्रबंधक प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार को मार्ग वाहनों के लिए खोल दिया गया था लेकिन रात में भारी भूस्खलन के कारण यह फिर बंद हो गया।

मार्ग खोलने के लिए मशीनें लगातार काम कर रही हैं लेकिन बारिश के कारण काम में व्यवधान आ रहा है। सारी गाड़–कण्डारी मोटर मार्ग गोडर पट्टी के 27 गांवों की प्रमुख लाइफलाइन है। मार्ग लंबे समय से बाधित होने के कारण ग्रामीण रोजमर्रा की जरूरत का सामान गांव तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। किसी ग्रामीण के बीमार पड़ने पर उसे अस्पताल तक पहुंचाना भी चुनौती बन गया है। बार–बार सड़क बंद होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों ने जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए सड़क के स्थायी समाधान की मांग की है।

कैरम में मोहित और साक्षी, शतरंज में आशीष रहे अव्वल

चिन्यालीसौड़। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौड़ में क्रीड़ा समिति की ओर से कैरम और शतरंज प्रतियोगिताएं हुई। कैरम के बालक वर्ग में 18 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसमें मोहित, बीएससी प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम और नवीन, बीएससी तृतीय सेमेस्टर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में 6 छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिसमें साक्षी, बीएससी पंचम सेमेस्टर प्रथम और निशा, बीएससी पंचम सेमेस्टर द्वितीय रहीं। शतरंज प्रतियोगिता में 8 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसमें आशीष थलवाल, बीएससी प्रथम सेमेस्टर ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि इसी कक्षा के आशीष मेहरा द्वितीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिताओं का संचालन निर्णायक मंडल की देखरेख में किया गया। शतरंज में डॉ. भूपेश चंद्र पंत और डॉ. आलोक बिजलवाण, कैरम में राजेश राणा और कौशल सिंह बिष्ट ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में क्रीड़ा समिति संयोजक डॉ. विनीत कुमार के अलावा डॉ. बृजेश चौहान, डॉ. खुशपाल, डॉ. निशि दुबे, डॉ. नेहा बिष्ट और मदन सिंह मौजूद रहे। समापन अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. किशोर सिंह चौहान और डॉ. किरण जोशी ने विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

पदमेंद्र रावत को मिला यंग उत्तराखंड सिनेमा अवार्ड

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सतपुली ग्राम रिंगवाडगांव निवासी पदमेंद्र सिंह रावत को यंग उत्तराखंड सिनेमा अवार्ड से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित अवार्ड समारोह में उन्हें म्यूजिक ज्यूरी में जज की भूमिका निभाने और अभिनय के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान मिला। पदमेंद्र हिंदी धारावाहिकों के साथ ही कई गढ़वाली फिल्मों और गीतों में भी काम कर चुके हैं। इससे पूर्व भी उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली में आयोजित समारोह में उत्तराखंड के कई कलाकारों ने प्रतिभाग किया। पदमेंद्र रावत ने बताया कि इस वर्ष पुरस्कार के लिए 40 गीतों में से पांच गीतों का चयन किया गया था। चयनित गीतों में उनके अभिनय को भी सराहा गया और उन्हें सम्मानित किया गया। इसके साथ ही यंग उत्तराखंड सिनेमा अवार्ड में जज की भूमिका निभाने के लिए भी उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि उनकी दो गढ़वाली फिल्में 'कंडाली' और 'युद्धवीर' जल्द पर्दे पर आने वाली हैं। 'कंडाली' का निर्देशन शिव नारायण सिंह रावत और 'युद्धवीर' का निर्देशन बीएस नेगी ने किया है। इसके अलावा जोधा फिल्म के बैनर तले सुशीला रावत के निर्देशन में बनी फिल्मों 'चक्रव्यूह' और 'दरोल्या' में अभिनय के लिए उन्हें बेस्ट खलनायक का पुरस्कार भी मिल चुका है। पदमेंद्र सिंह रावत दिल्ली स्थित ऑल इंडिया रेडियो में ए-ग्रेड कलाकार हैं। वह वर्तमान में दिल्ली पुलिस में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात हैं। उनका कहना है कि कला के माध्यम से उत्तराखंड की संस्कृति और सभ्यता को देश-दुनिया तक पहुंचाना उनका मुख्य उद्देश्य है।

यंग उत्तराखंड सिनेमा अवार्ड के साथ ग्राम रिंगवाडगांव निवासी पदमेंद्र सिंह रावत।

दही हांडी प्रतियोगिता की तैयारियां तेज

श्रीनगर गढ़वाल : कृष्ण जन्माष्टमी पर चार सितंबर को रामलीला मैदान में होने वाली दही हांडी प्रतियोगिता के लिए अब तक 10 टीमें पंजीकरण करा चुकी हैं। इच्छुक टीमें अब दो सितंबर तक पंजीकरण करा सकेंगी। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में विजेता टीम को 31 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। टीमों के लिए 300 रुपये प्रवेश शुल्क है। आयोजन के दौरान नन्हे कान्हा प्रतियोगिता भी होगी।

इसमें कान्हा के स्वरूप में सजकर पहुंचने वाले बच्चों में से सबसे सुंदर कान्हा को भी पुरस्कृत किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के राजन ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। (एजेंसी)

गीता भवन में धूमधाम से मनेगा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के गोविंद नगर स्थित श्री गीता भवन उत्सव समिति की बैठक में आगामी चार सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के तहत राधा-कृष्ण के विग्रह का विभिन्न प्रकार के फूलों से भव्य श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर में आकर्षक सेल्फी जोन भी बनाया जाएगा। इसके अलावा मंदिर को रंग-बिरंगी झालरों और फूलों से सजाया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक रामप्रकाश शर्मा ने बताया कि इस वर्ष श्री गीता भवन में 'संस्कारी जैन जी, संस्कारों की नई पहचान' विषय पर झांकियों का भव्य आयोजन किया जाएगा। साथ ही सफल युवाओं पर आधारित प्रेरणादायक झांकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी। इनमें बीसी लक्ष्मण, मनु भाकर और ज्ञानेश्वर यादव की उपलब्धियों के साथ ही उनके प्रेरणास्त्रोतों को दर्शाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी उत्सव को आकर्षक और यादगार बनाने के लिए समिति की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

वाद–विवाद में अंजलि, श्लोक अंत्याक्षरी में नीरज, पोस्टर में कनक ने मारी बाजी

देवप्रयाग : केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में संस्कृत सप्ताह महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छात्रों के प्रतिभा-विकास और संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए नौ प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें 141 छात्रों ने भाग लिया। श्लोकोच्चारण में कुशारिका, गीता कंठपाठ में दिव्यांश, अमरकोश कंठपाठ में पार्थ पराशर और अष्टाध्यायी कंठपाठ में इशिका प्रथम रहे। वाद-विवाद में अंजलि, श्लोक अंत्याक्षरी में नीरज रियाल और लघु चलचित्र निर्माण में नीरज असनोडा ने पहला स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी में आदित्य शुक्ला व नीरज रियाल की टीम और पोस्टर निर्माण में कनक शर्मा प्रथम रहीं। गुरुकुलम के तहत चार प्रतियोगिताओं में 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अष्टाध्यायी कंठपाठ में राघवेंद्र, गीता कंठपाठ में राघवेंद्र, अमरकोश कंठपाठ (कनिष्ठ) में पार्थ भारद्वाज और वरिष्ठ वर्ग में विभव प्रथम रहे। केरल से आए पीएचआरसी के संस्थापक डॉ. सेतुमाधवन ने आयुर्वेद के अनुसार दिनचर्या पर व्याख्यान दिया। संगम पर श्रावणी उपाकर्म भी संपन्न हुआ। समापन समारोह में संस्कृत के महत्व, संरक्षण और प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम परिसर के निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में हुआ। सह-निदेशिका प्रो. चंद्रकला आर कोण्डी मुख्य अतिथि, डॉ. शैलेन्द्रनारायण कोटियाल विशिष्ट अतिथि और डॉ. शैलेन्द्र प्रसाद उनियाल सारस्वत अतिथि के रूप में मौजूद रहे। (एजेंसी)

ढोल–दमाऊं के साथ प्रधानों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

उत्तरकाशी। वीबी जी रामजी के तहत लागू ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में मंगलवार को जिलेभर के ग्राम प्रधानों ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। ढोल–दमाऊं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रधानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों का जल्द निस्तारण नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष कृपाल सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान रैली में शामिल हुए। प्रधानों का कहना है कि वे लंबे समय से वीबी जी रामजी के तहत ऑनलाइन हाजिरी का विरोध कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण कई स्थानों पर ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं हो पाती।

मंताशा ने यूजीसी नेट परीक्षा में लहराया परचम, महाविद्यालय में खुशी की लहर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ0 पी0 डी0 बी0 एच0 राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार में एम0ए0 भूगोल (सत्र 2024–26) की मेधावी छात्रा मंताशा ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (वॅउ ठएळ) अत्यंत उत्कृष्ट अंकों के साथ उत्तीर्ण कर महाविद्यालय और अपने विभाग का नाम रोशन किया है। मंताशा की इस शानदार सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं भूगोल विभाग द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित करते हुए हार्दिक बधाई दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0(डॉ) डी0 एस0 नेगी ने मंताशा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मंताशा की यह सफलता उनकी अटूट लगन, कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयास का परिणाम है। एक नया इतिहास रचते हुए उन्होंने न केवल स्वयं को साबित किया है, बल्कि पूरे महाविद्यालय का सिर गर्व से ऊंचा किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि उनका यह प्रदर्शन भूगोल विभाग के अन्य छात्र–छात्राओं को भी उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने और अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 एस0 एस0 बलूडी, डॉ0 चन्द्रप्रभा कंडवाल, डॉ0 मीनाक्षी वर्मा, डॉ0 ममता रावत, शिक्षणेत्तर श्री मुकेश

जदली, श्री मुकेश कंडारी एवं श्री राकेश कुमार ने भी मंतशा की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की और विश्वास जताया कि वह आगे चलकर अकादमिक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी। अपनी इस सफलता पर मंताशा ने अपने माता–पिता, प्राचार्य और भूगोल विभाग के गुरुजनों के कुशल मार्गदर्शन व सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागध्यक्ष प्रो ज्योति खरे , अरविन्द दुदपुड़ी ने शुभकामनायें प्रेषित की है।

दुकानों को हटाने के विरोध में व्यापारियों का धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्टेशन रोड स्थित दुकानों को हटाने के निर्णय के विरोध में व्यापारियों का धरना मंगलवार को भी जारी रहा। व्यापारियों ने दो टूक कहा कि जब तक उन्हें अन्यत्र दुकानें उपलब्ध नहीं कराई जातीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शासन-प्रशासन ने उनकी मांगों की अनदेखी की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

स्टेशन रोड पर धरने पर बैठे व्यापारियों ने शासन-प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें धरने पर बैठे कई दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक किसी जनप्रतिनिधि या अधिकारी ने उनकी सुध नहीं ली है। व्यापारियों का कहना है कि जिस स्थान पर वे वर्षों से दुकानें संचालित कर रहे हैं, वह जगह उन्हें दशकों पहले आवंटित की गई थी। ऐसे में अचानक दुकानें हटाने के नोटिस जारी होने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। व्यापारियों ने कहा कि दुकानों को हटाने से पहले प्रशासन को उनके पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए थी। उनका कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए दुकानों को हटाना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को उग्र किया जाएगा। धरने में महेंद्र कुमार भाटिया, सुरेश भाटिया, राजीव जैन, प्रमोद कुमार, सुनील कुमार, हरीश भाटिया आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के स्टेशन रोड पर दुकानों को हटाने के विरोध में धरने पर बैठे व्यापारी।

लकड़ी के तख्तों के सहारे पार किया खड्ड

नौगांव (उत्तरकाशी)। यमुनोत्री हाईवे पर बहने वाला देवलसारी खड्ड बरसात के मौसम में स्थानीय लोगों के लिए लगातार मुसीबत का कारण बना हुआ है। मंगलवार को हुई भारी बारिश के बाद खड्ड उफान पर आ गया जिससे पैदल पार करना मुश्किल हो गया। खड्ड के बीच बनी गहरी खाई को पार करने के लिए स्थानीय लोगों ने लकड़ी के फट्टे डालकर अस्थायी रास्ता तैयार किया।

दोपहर में स्कूल से घर लौट रहे बच्चों को भी खड्ड पार करने में परेशानी हुई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से लकड़ी के तख्ते डालकर बच्चों को सुरक्षित खड्ड पार कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दौरान खड्ड का जलस्तर बढ़ने से सौली, मुलाना समेत दूसरी ओर रहने वाले ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हो जाती है।

कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि बच्चे स्कूल तक नहीं पहुंच पाते। ग्रामीणों का कहना है कि देवलसारी गदेरे पर पुल निर्माण की मांग लंबे समय से एनएच खंड से की जा रही है लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। खड्ड पार करने के लिए लोगों को कई बार चारपहिया वाहनों का सहारा लेना पड़ता है।

सीएम ने किया खेल महाकुम्भ-मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी-2026 का शुभारम्भ

विजेता खिलाड़ियों को डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी लगभग 11 करोड़ की पुरस्कार राशि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जनपद चम्पावत के स्व. कैलाश चन्द्र गहतोड़ी स्पोर्ट्स स्टेडियम, टनकपुर में 'खेल महाकुम्भ-मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप ट्रॉफी-2026' का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट खिलाड़ी गहना महर को मशाल सौंपकर खेल महाकुम्भ का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने पूर्ण अनुशासन, निष्पक्षता एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने की शपथ ली। खिलाड़ियों द्वारा योगासन एवं उत्तराखंड के पारंपरिक खेल 'मुर्गा झपट' का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल महाकुम्भ प्रदेश की प्रतिभाओं को गांव की मिट्टी से राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि उचित मंच और संसाधनों के अभाव में प्रदेश की कोई भी प्रतिभाशाली खेल प्रतिभा पीछे न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि खेल अनुशासन सिखाते हैं, आत्मविश्वास जगाते हैं, संघर्ष करना सिखाते हैं और गिरकर फिर उठने का साहस देते हैं। खेल स्वस्थ शरीर के साथ मजबूत चरित्र और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार खेलों को उत्तराखंड के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का महत्वपूर्ण आधार मानकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में खेल महाकुम्भ की शुरुआत प्रदेश के गांव-गांव में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष खेल महाकुम्भ को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया गया है। न्याय पंचायत स्तर से शुरू होकर विधानसभा, संसदीय एवं राज्य स्तर तक विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पीएस, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा बिजनौर, हापुड़, बरेली तथा हरिद्वार स्टेशन पर पार्किंग तथा हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज़ के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 21.09.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

3014/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

नई उम्मीदों का चुनाव

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर अब हलचल नजर आने लगी है और राष्ट्रीय क्षेत्रीय दलों में भी तैयारी तेज होने लगी है। उत्तराखंड के बदलते हुए राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए यह प्रयास बाजी शुरू हो गई है की क्या उत्तराखंड में भाजपा हैट्रिक लगा पाएगी या प्रदेश की जनता इस बार कोई बड़ा चमत्कार दिखने वाली है? निश्चित तौर पर बुनियादी मुद्दों को लेकर जनता अपना फैसला सुनाएगी वह वर्तमान सरकार के कामकाज के रिपोर्ट कार्ड को भी ध्यान में रखेगी। जहां सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों का लेखा–जोखा अब विभिन्न माध्यमों से जनता के सामने रख रहा है, जबकि विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। उत्तराखंड की जनता हमेशा जागरूक मतदाता रही है। राज्य गठन के बाद लंबे समय तक सत्ता परिवर्तन का क्रम चलता रहा। वर्ष 2022 में भाजपा ने इस परंपरा को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। यही कारण है कि अब तीसरी बार सत्ता में वापसी का दावा केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भाजपा की सबसे बड़ी चुनावी चुनौती और महत्वाकांक्षा भी है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकाल को राज्य के विकास का एक महत्वपूर्ण कल बताती है जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार समान नागरिक संहिता, निवेश, सड़क संपर्क, धार्मिक पर्यटन, चारधाम यात्रा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के विकास को अपनी प्रमुख उपलब्धियों के रूप में पेश किया जा रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसका बूथ मैनेजमेंट है जबकि भाजपा का मजबूत संगठन और बूथ स्तर तक उसकी पकड़ बेहद मजबूत है। कांग्रेस की अंतर कल किसी से छिपी नहीं है और आज भी नेतृत्व को लेकर संगठन के अंदर दो फाड़ बने हुए हैं। पिछले विधान सभा चुनावों में अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने के बाद पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और पहाड़ों में घटती आबादी जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को लगातार घेरती आ रही है। उत्तराखंड के मतदाता की एक या विशेषता है कि वह एक ऐसे विकल्प की तलाश में रहती है जो विश्वास पैदा कर सके, और वर्तमान में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह जनता की उम्मीद पर कितना खरा उतरती है और यहां के मतदाता उसे कहां तक स्वीकार करते हैं ? उत्तराखंड बने हुए 25 साल हो चुके हैं लेकिन आज भी यहां की बुनियादी समस्याएं जस की तस बनी हुई है। यही अब तक की सभी सरकारों की एक बड़ी विफलता मानी जा सकतीहै।पहाड़ों से लगातार पलायन, बाहरी लोगों की बढ़ती संख्या, सीमित रोजगार के अवसर, कृषि संकट, आपदाओं का बढ़ता खतरा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी ऐसे मुद्दे हैं जिनका समाधान अभी भी पूरी तरह नहीं हो पाया है। चुनाव के समय यही मुद्दे मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। भाजपा यदि जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरती दिखाई देती है तो भाजपा को लाभ मिल सकता है, लेकिन यदि जनता वादों और धरातल की वास्तविकता में आंकलन करने लगे तो फिर समीकरण बदलने में देर नहीं लगेगी। वहीं बात करे क्षेत्रीय दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों की तो, उनकी भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भले ही वे सत्ता के केंद्र में न हों।

फिलहाल राज्य में तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। भाजपा मजबूत दिखाई देती है, लेकिन चुनाव केवल संगठन और नारों से नहीं जीते जाते। वहीं कांग्रेस के पास अवसर तो है, पर उसे जनता का भरोसा जीतने के लिए ठोस रणनीति और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता होगी। यदि स्थानीय समस्याएं, बेरोजगारी और जन अपेक्षाओं का मुद्दा बना तो राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। फिलहाल इतना तय है कि 2027 का चुनाव उत्तराखंड की राजनीति का एक नया अध्याय लिखने वाला है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं।

कानून का डर ही नहीं, संस्कारों की रोशनी भी जरूरी

कांतिलाल मांडोत

नाबालिग छात्रा के साथ बस में अपराध समाज के लिए चेतावनी, बेटियों की सुरक्षा केवल कड़े कानून से नहीं बल्कि चरित्र निर्माण से होगी...

नई दिल्ली में 16 वर्षीय छात्रा के साथ चलती बस में हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। पुलिस के अनुसार छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक बस में सवार हुई थी और बाद में उसे दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में छोड़ दिया गया। मामले में बस चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच चल रही है और अदालत में आरोपों की पुष्टि तथा अंतिम दोष सिद्ध होना अभी बाकी है। लेकिन इतना जरूर है कि एक नाबालिग लड़की के साथ इस प्रकार की कथित घटना समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कानून कड़े होने के बावजूद अपराधियों के मन में कानून का भय क्यों नहीं पैदा हो रहा है? देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कठोर प्रावधान मौजूद हैं। नाबालिगों की सुरक्षा के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है और गंभीर अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो स्पष्ट होता है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून आवश्यक है, लेकिन अपराध रोकने के लिए कानून के साथ सामाजिक चेतना, नैतिक शिक्षा, परिवार के संस्कार और जिम्मेदार नागरिकता भी उतनी ही आवश्यक है।

यह घटना इसलिए भी चिंता बढ़ाती है क्योंकि पीड़िता एक छात्रा है। वह किसी सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रही एक बच्ची है। परिवार से किसी बात को लेकर निकली, रास्ते में परिस्थितियों के कारण असहाय हुई और जिस वाहन को उसने मदद का माध्यम समझा, उसी में उसके साथ कथित अपराध हो गया। यह स्थिति बताती है कि सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देनी चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन में चालक और परिचालक केवल वाहन चलाने या यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले कर्मचारी नहीं होते। उनके ऊपर यात्रियों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होती है। इसलिए परिवहन कंपनियों और संबंधित विभागों को कर्मचारियों के सत्यापन, प्रशिक्षण और निगरानी को गंभीरता से लेना चाहिए। बसों में पर्याप्त निगरानी व्यवस्था, आपातकालीन सहायता, शिकायत तंत्र और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए। किसी भी यात्री को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि संकट की स्थिति में वह पूरी तरह अकेला है।

लेकिन सवाल केवल व्यवस्था का नहीं है। सवाल उस मानसिकता का भी है जिसमें किसी लड़की या महिला को कमजोर समझकर उसके साथ मनमानी करने की कोशिश की जाती है। किसी महिला की मजबूरी, अकेलापन या असहाय स्थिति किसी दूसरे व्यक्ति को अपराध करने का अधिकार नहीं देती। किसी की चुप्पी को सहमति समझना, विरोध को दबाने की कोशिश करना या डराकर अपनी बात मनवाना घोर अन्याय है। यह बहादुरी नहीं, बल्कि कायरता और चरित्रहीनता है। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं के सम्मान की शुरूआत घर से होती है। बच्चे क्या देखते हैं, क्या सुनते हैं और किस वातावरण में बड़े होते हैं, इसका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना जरूरी है कि हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लड़की और लड़के में भेद किए बिना दोनों को मयार्दा, सहमति, जिम्मेदारी और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का महत्व समझाना होगा। आज के समय में बच्चों और किशोरों पर उनके मित्रों, इंटरनेट, सोशल मीडिया और आसपास के वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। गलत संगत कई बार सही और गलत के बीच का अंतर कमजोर कर देती है। इसलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि परिवार ने संस्कार दिए हैं। परिवार, विद्यालय और समाज तीनों को मिलकर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभानी होगी। युवाओं को यह समझाना होगा कि क्षणिक आवेश में लिया गया गलत निर्णय पूरी जिंदगी को प्रभावित कर सकता है।

अपराध के बाद पीड़िता की जिंदगी पर पड़ने वाले प्रभाव को भी समाज को समझना होगा। किसी अपराध की सबसे बड़ी त्रासदी केवल घटना तक सीमित नहीं रहती। पीड़ित व्यक्ति को लंबे समय तक मानसिक पीड़ा, भय, सामाजिक दबाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी घटनाओं में पीड़िता को दोष देने, उसके चरित्र पर सवाल उठाने या घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराने की मानसिकता पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। अपराध की जिम्मेदारी केवल अपराध करने वाले की होती है। परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चे यदि किसी परेशानी में हों तो वे बिना डर अपनी बात परिवार के सामने रख सकें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए जहां बच्चा संकट में सबसे पहले अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सहायता मांग सके। संवाद की कमी कई समस्याओं को गंभीर बना देती है। बच्चों को यह विश्वास दिलाना आवश्यक है कि परेशानी में घर लौटना शर्म की बात नहीं, बल्कि समझदारी है।

इसके साथ ही प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों का संरक्षण और निष्पक्ष कार्रवाई आवश्यक है। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। तेज और निष्पक्ष न्याय व्यवस्था समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत करती है। केवल कठोर सजा की घोषणा से अपराध नहीं रुकते; अपराध की निश्चित जांच, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया का प्रभावी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

चौदह वर्ष पहले दिल्ली में हुई निर्भया घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उसके बाद कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देशभर में गंभीर चर्चा हुई। फिर भी समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं बताती हैं कि कानून के साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन की जरूरत अभी समाप्त नहीं हुई है। किसी घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त करना पर्याप्त नहीं। वास्तविक बदलाव तब होगा जब महिलाओं का सम्मान हमारे व्यवहार का स्वाभाविक हिस्सा बनेगा।

यह भी याद रखना होगा कि हर अपराधी को केवल किसी दूसरे घर की बेटी के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। हर लड़की किसी की बेटी, बहन या परिवार का हिस्सा है, लेकिन उससे भी पहले वह स्वयं एक स्वतंत्र और सम्मानित इंसान है। महिलाओं का सम्मान रिश्ते के आधार पर नहीं, मानव गरिमा के आधार पर होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि अच्छा इंसान बनने की शिक्षा भी दें। पढ़ाई, नौकरी और आर्थिक सफलता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन चरित्र, संयम और संवेदनशीलता के बिना ये उपलब्धियां अधूरी हैं। परिवारों में संवाद बढ़े, विद्यालयों में नैतिक एवं नागरिक शिक्षा को महत्व मिले, युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। दिल्ली की यह घटना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। बेटियों की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है और न ही केवल सरकार की। यह परिवार, विद्यालय, परिवहन व्यवस्था, प्रशासन और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है। कठोर कानून अपराध के बाद न्याय दिला सकता है, लेकिन संस्कार और जागरूकता अपराध होने से पहले रोकने की शक्ति रखते हैं।

अंततः हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी महिला या बच्ची के सम्मान से खिलवाड़ को कभी सामान्य नहीं माना जाएगा। गलत को गलत कहने का साहस परिवार से लेकर समाज तक विकसित करना होगा। क्योंकि कानून का भय अपराधी को रोक सकता है, लेकिन अच्छे संस्कार व्यक्ति को अपराध करने की सोच तक पहुंचने से रोकते हैं। जब कानून की मजबूती और संस्कारों की शक्ति साथ आएगी, तभी ऐसा समाज बनाया जा सकेगा जिसमें बेटियां भय के साथ नहीं, विश्वास और सम्मान के साथ घर से बाहर निकल सकें।

सोन के पानी पर समझौता, अब असली परीक्षा

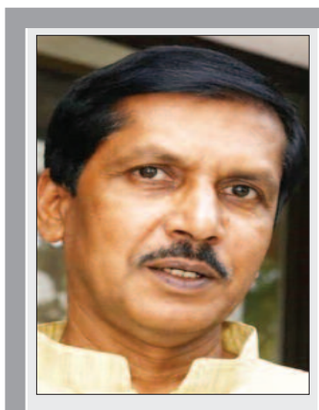

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन का पानी अब केवल नदी का सवाल नहीं है। बिहार और झारखंड के बीच करीब 25 साल से चला आ रहा जल विवाद समझौते की मेज तक पहुंचा है। नई दिल्ली में दोनों राज्यों ने सोन नदी के जल बंटवारे पर समझौता किया है। हिस्सेदारी तय हो गई, लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है–क्या यह पानी खेतों और घरों तक पहुंचेगा? क्या दोनों राज्य नदी को केवल बंटवारे की वस्तु मानने के बजाय साझा प्राकृतिक संसाधन की तरह देख पाएंगे? इस समझौते की सफलता इन्हीं सवालों के जवाब पर निर्भर करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन जल विवाद की पृष्ठभूमि 1973 के बाणसागर समझौते तक जाती है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड के गठन के बाद अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे सोन के पानी के पुनर्वितरण का प्रश्न सामने आया। दोनों राज्यों के बीच यह मामला वर्षों तक उलझा रहा। अब बनी व्यवस्था के अनुसार बिहार को 5.75 मिलियन एकड़-फीट और झारखंड को 2 मिलियन एकड़-फीट पानी का हिस्सा निर्धारित किया गया है।

यह हिस्सा दोनों राज्यों के ग्रामीण जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। बिहार में भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना के बड़े इलाके सोन की सिंचाई व्यवस्था से जुड़े हैं। झारखंड में पलामू और गढ़वा सहित आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की जरूरत लंबे समय से बनी हुई है। ऐसे में जल की हिस्सेदारी का स्पष्ट निर्धारण दोनों राज्यों के लिए राहत का आधार बन सकता है।

बिहार में सोन की सिंचाई व्यवस्था ने कृषि को अपेक्षाकृत स्थिर आधार दिया है। वर्षा की अनिश्चितता बढ़ने के साथ इसकी उपयोगिता और बढ़ी है। समय पर सिंचाई मिले तो किसान एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण की ओर बढ़ सकते हैं। उत्पादन और ग्रामीण आय में भी सुधार की संभावना है। झारखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में इसका महत्व और व्यापक है, जहां सिंचाई के साथ पेयजल भी बड़ी समस्या है।

लेकिन यहीं समझौते की पहली और सबसे कठिन परीक्षा है। पानी का हिस्सा तय हो जाना और पानी का खेत तक पहुंचना अलग-अलग बातें हैं। नहरों की क्षमता, उनकी मरम्मत, जलाशयों का संचालन, वितरण नेटवर्क, बिजली और स्थानीय सिंचाई व्यवस्था तय करेगी कि समझौते का लाभ वास्तव में किसे मिलता है। देश में अनेक सिंचाई परियोजनाओं का अनुभव रहा है कि स्रोत पर पानी मौजूद रहने के बावजूद कमजोर वितरण व्यवस्था के कारण उसका पूरा लाभ अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता।

इसलिए समझौते के साथ स्पष्ट क्रियान्वयन योजना जरूरी है। दोनों राज्यों के बीच संयुक्त निगरानी व्यवस्था होनी चाहिए। जल प्रवाह, उपलब्धता और उपयोग के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। किस मौसम में कितना पानी उपलब्ध है, कितना इस्तेमाल हुआ और किन क्षेत्रों को कितना पानी मिला–इनका नियमित हिसाब होना चाहिए। आधुनिक तकनीक से इसकी निगरानी संभव है। पारदर्शी आंकड़े राज्यों के बीच भरोसा बढ़ाने के साथ भविष्य के विवादों को भी रोक सकते हैं।

कम वर्षा या कम प्रवाह वाले वर्षों के लिए व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। सामान्य परिस्थितियों में हिस्सेदारी लागू करना आसान हो सकता है, लेकिन जल संकट के समय ही किसी समझौते की मजबूती सामने आती है। ऐसे समय में पेयजल, सिंचाई और नदी के पर्यावरणीय प्रवाह के बीच प्राथमिकता कैसे तय होगी, यह पहले से स्पष्ट होना चाहिए। संकट के समय यदि नियम अस्पष्ट रहे तो पुराना विवाद नए रूप में लौट सकता है।

अमित शाह ने सोन समझौते को सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। इस वर्ष अंतरराज्यीय जल और उससे जुड़े कई मामलों में केंद्र की मध्यस्थता से सहमति बनी है। नर्मदा परियोजना से जुड़े राज्यों के बीच लंबित भुगतान का निपटारा, राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना पर समझौता तथा किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के बीच सहमति इसी क्रम में हुई है।

इन घटनाओं को केवल समझौतों की संख्या के रूप में देखने के बजाय संघीय राजनीति में बदलती कार्यशैली के संकेत के रूप में देखना चाहिए। जल विवादों को लंबे समय तक राजनीतिक टकराव और कानूनी प्रक्रिया में उलझाए रखने के बजाय बातचीत से हल करने की कोशिश सकारात्मक है। लेकिन सहकारी संघवाद का अर्थ केवल केंद्र की मध्यस्थता नहीं है। उसमें राज्यों के बीच बराबरी का भरोसा, पारदर्शिता और साझा जिम्मेदारी भी जरूरी है। सोन के पानी का सवाल स्थानीय लोगों की भागीदारी से भी जुड़ा है। पानी के बारे में फैसले राजधानी में होते हैं, लेकिन उसका असर गांवों में दिखाई देता है। किसान, खेतिहर मजदूर, मछुआरे और नदी किनारे रहने वाले समुदाय नदी की बदलती स्थिति को सबसे पहले महसूस करते हैं। इसलिए जल प्रबंधन की व्यवस्था में स्थानीय अनुभव और जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए।

सोन को केवल सिंचाई की नहर में बदल देना भी दूरदर्शी नीति नहीं होगी। नदी का अपना पारिस्थितिक जीवन है। उसका प्राकृतिक प्रवाह भूजल पुनर्भरण, मिट्टी की नमी, जैव विविधता और नदी पर निर्भर आजीविका से जुड़ा है। यदि नदी से पानी निकालने की मात्रा बढ़ती रही और प्राकृतिक प्रवाह की चिंता नहीं की गई तो भविष्य में जल उपलब्धता का संकट और गहरा सकता है। जल बंटवारे में पर्यावरणीय प्रवाह को भी एक आवश्यक तत्व मानना होगा।

जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और गंभीर बना रहा है। बारिश का समय और वितरण पहले की तरह निश्चित नहीं रहा। कभी कम समय में अत्यधिक वर्षा होती है, तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। इसलिए भविष्य की जल नीति को पुराने औसत आंकड़ों तक सीमित नहीं किया जा सकता। नदी के प्रवाह और जल उपलब्धता का लगातार वैज्ञानिक आकलन आवश्यक है।

जल प्रबंधन का अर्थ केवल नदी से अधिक पानी लेना भी नहीं है। वर्षाजल संचयन, भूजल पुनर्भरण, स्थानीय तालाबों और जल संरचनाओं का संरक्षण तथा सूक्ष्म सिंचाई जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। खेत में पानी की दक्षता बढ़ेगी तो नदी पर दबाव कम होगा। फसल चयन को भी स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप करने की जरूरत है। इस समझौते का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि सोन के पानी को विवाद की वस्तु से साझा विकास के संसाधन में बदला जा सकता है। बिहार और झारखंड की ऐतिहासिक निकटता इस सहयोग को आधार देती है। दोनों राज्यों की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन कृषि और ग्रामीण जीवन के लिए पानी दोनों की समान आवश्यकता है।

इसलिए सोन समझौते को किसी एक राज्य की जीत या दूसरे की हार के रूप में देखना गलत होगा। पानी की साझेदारी का अर्थ है अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी साझा करना। बिहार को अपने हिस्से के पानी का उपयोग करते हुए झारखंड की जरूरत को समझना होगा और झारखंड को भी साझा नदी तंत्र की सीमाओं को ध्यान में रखना होगा। इसी संतुलन से समझौता टिकाऊ बनेगा।

समझौते के बाद दोनों राज्यों को एक समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए। नहरों और वितरण तंत्र की स्थिति का आकलन, आवश्यक निवेश, जल उपयोग की निगरानी और नियमित समीक्षा इसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, विवाद खत्म होने के बाद संवाद खत्म नहीं होना चाहिए। नदी का स्वभाव बदलता है, इसलिए जल प्रबंधन की संस्थाओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काम करना होगा।

सोन का अनुभव देश के दूसरे अंतरराज्यीय जल विवादों के लिए भी महत्वपूर्ण है। पानी पर संघर्ष बढ़ने के पीछे केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि आंकड़ों की अस्पष्टता, अविश्वास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी होती है। यदि राज्यों के बीच जल संबंधी आंकड़ों की साझेदारी, वैज्ञानिक आकलन और नियमित संवाद की व्यवस्था हो तो अनेक विवादों को गंभीर होने से पहले ही रोका जा सकता है।

इस पूरे मामले में एक बुनियादी सवाल फिर भी बना रहेगा–हम नदी को देखते कैसे हैं? यदि नदी को केवल बांध, नहर और जल की मात्रा के रूप में देखा जाएगा तो कोई भी समझौता अधूरा रहेगा। नदी एक जीवित प्राकृतिक तंत्र है, जिसके साथ मनुष्य की खेती, आजीविका और संस्कृति जुड़ी है। जल नीति को इस व्यापक दृष्टि की जरूरत है।

सोन पर हुआ समझौता इसलिए एक अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है। करीब ढाई दशक पुराने विवाद को सुलझाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई है। अब उसी इच्छाशक्ति को प्रशासनिक दक्षता, वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी में बदलना होगा।

अंततः इसकी सफलता का पैमाना कागज पर दर्ज 5.75 या 2 मिलियन एकड़-फीट पानी नहीं होगा। पैमाना यह होगा कि कितने खेतों तक सिंचाई पहुंची, कितने गांवों की पेयजल समस्या कम हुई और सोन का प्राकृतिक प्रवाह कितना सुरक्षित रहा।

सोन के पानी पर समझौता हो गया है। अब असली परीक्षा है–क्या पानी के साथ भरोसा भी बंटेगा, क्या विकास के साथ नदी भी बचेगी और क्या सहकारी संघवाद कागज से निकलकर खेत और गांव तक पहुंचेगा। यदि ऐसा हुआ तो यह समझौता केवल 25 साल पुराने विवाद का अंत नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय जल सहयोग की एक नई शुरूआत होगा।

संक्षिप्त समाचार

मादुरो ने जेल से जारी की तस्वीरें और संदेश दिया ...मजबूती से डटा

कराकास, एजेंसी। अमेरिका की जेल में बंद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने पहली बार अपनी तस्वीरें जारी की और संदेश दिया कि वे जेल में मजबूती से डटे हुए हैं। न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन जेल में बंद 63 वर्षीय मादुरो ने अपने टेलीग्राम और एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ग्रे रंग के ट्रैकसूट में मुस्कुराते हुए और उंगलियों से 'जीत' का इशारा करते दिख रहे हैं। मादुरो ने अपने समर्थकों से कहा, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि हम मजबूती से खड़े हैं› वेनेजुएला फिर से उठ खड़ा होगा। बता दें कि जनवरी 2026 में अमेरिकी सेना ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाकर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर ड्रग तस्करी और आतंक फैलाने के आरोप हैं। इस मामले का ट्रायल 1 जून 2027 से शुरू होगा। मादुरो की यह तस्वीर ऐसे समय में आई है जब वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के साथ एक बहुत बड़ा समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका वेनेजुएला के लगभग 65 अरब बैरल के तेल भंडारों पर नियंत्रण या बड़ा हिस्सा हासिल करेगा।

अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर किया हमला, जवाब में जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरानी मिसाइल अटैक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में लारक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया। यह करीब एक महीने में अमेरिका की ईरान के खिलाफ पहली सैन्य कार्रवाई है। हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के जवाब में उसने जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, निशाने पर किंग हुसैन और अल-अज़्राक स्थित अमेरिकी ठिकाने थे। इससे पहले रविवार को अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दो सैन्य लॉन्चरों को निशाना बनाया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, आईआरजीसी के जवान इन लॉन्चरों के जरिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगें पहुंचाने वाले रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। अमेरिका ने इसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए तत्काल खतरा बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेनाएं इलाके पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और समुद्री व्यापार के मुक्त प्रवाह की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में नई माइंस बिछाने वाले किसी भी जहाज या नाव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। अब ईरानी मीडिया ने आईआरजीसी के हवाले से बताया है कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया गया। ईरानी सरकारी प्रसारणकर्ता [illegible] के अनुसार, लारक पर अमेरिकी हमले में कई ईरानी सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए और घायल हुए। वहीं, आईआरजीसी से जुड़े तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि हमले में ड्रोन का इस्तेमाल हुआ और दो लोगों की मौत हुई, जबकि दो अन्य घायल हुए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि तत्काल नहीं हो सकी है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस मार्ग से दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस के करीब पांचवें हिस्से का परिवहन होता है। अमेरिका का कहना है कि वह सैन्य सुरक्षा के जरिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर, ईरान ने जलमार्ग को लेकर अपनी स्थिति बनाए रखी है और अमेरिकी दबाव के सामने लंबे संघर्ष के लिए तैयार रहने का संकेत दिया है। लारक ईरान का एक छोटा द्वीप है, जो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में स्थित है।

टोरंटो में मोहन भागवत ने कहा- भारत 'महाशक्ति' नहीं, बल्कि 'विश्वगुरु' है

टोरंटो, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत 'महाशक्ति' (सुपरपावर) बनकर नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा के जरिए 'विश्वगुरु' बना है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के सभ्यतागत डीएनए में सार्वभौमिक मित्रता, शरण देने की भावना और विविधता के प्रति सम्मान निहित है.

टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु - मित्रता में विश्व को गले लगाओ' सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने दुनिया भर में उत्पीड़न और युद्ध से भागने वालों के लिए एक अभयारण्य के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा, 'कोई भारत को महाशक्ति कह सकता है, लेकिन यह ऐसा नहीं है. इसने दुनिया की सेवा की और अपने चरित्र से यह 'विश्वगुरु' बन गया, महाशक्ति नहीं.'

मोहन भागवत ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकट के दौरान भारत के आगे बढ़ने के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरणों को याद किया. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की दुर्दशा को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे जामनगर के महाराजा ने उन्हें सुरक्षित घर लौटने तक शरण और सुरक्षा की पेशकश की थी. संकट के समय मदद करने की भारत की परंपरा का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं और यह सिलसिला अभी भी जारी है.' उन्होंने मध्य पूर्व में हाल के संघर्षों के दौरान लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियानों का ज़िक्र करते हुए बताया कि कैसे भारत के सैन्य परिवहन विमानों ने न सिर्फ़ भारतीय नागरिकों को, बल्कि युद्धग्रस्त इलाक़े में फँसे सात अन्य देशों के नागरिकों को भी बचाया. उन्होंने कहा, 'जब कुछ साल पहले मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान लोग फँस गए थे, तो भारत के सैन्य विमान वहाँ गए और न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि सात अन्य देशों के नागरिकों को भी वहाँ से सुरक्षित निकाला.' उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ऐतिहासिक रूप से भारत में मुसलमानों, ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों को बिना किसी उत्पीड़न के डर के शांतिपूर्ण आश्रय और ज्ञान मिला है. भागवत ने कहा, 'दुनिया में कहीं भी अगर किसी पर जुल्म हुआ, तो उसे भारत में ही शरण मिली.' आरएसएस प्रमुख ने भारत की ऐतिहासिक वैश्विक पहुंच और साम्राज्यवादी विस्तारवाद के बीच अंतर बताते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता ने अपना दबदबा बनाने के बजाय ज्ञान का प्रसार किया.

'हमारे पूर्वजों ने मैक्सिको से साइबेरिया तक यात्रा की, उन्होंने पैदल ही हिमालय पार किया, छोटी नावों से दक्षिण-पूर्व एशिया गए, लेकिन उन्होंने किसी देश पर कब्जा नहीं किया. उन्होंने ज्ञान, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और सभ्यता से जुड़े मूल्य सिखाए. आज भी, जब कोई आम भारतीय किसी देश में जाता है, तो वहां के लोग नमस्कार करते हैं. दूसरों की मदद करने की भारत की सभ्यतागत परंपरा पर जोर देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब भी मुसीबत में फंसे लोगों ने मदद मांगी, तो देश ने कभी मना नहीं किया और अक्सर बिना मांगे ही मदद का हाथ बढ़ाया. यही परंपरा है. यही भारत का डीएनए है. हिंदू दर्शन के मूल भाव को समझाते हुए, भागवत ने स्पष्ट किया कि यह पहचान भाषाई या धार्मिक सीमाओं से कहीं ऊपर है. जब मैं हिंदू कहता हूं, तो हिंदू शब्द को किसी खास भाषा, किसी खास पूजा-पद्धति या किसी खास जीवनशैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता,' उन्होंने कहा और जोड़ा कि हिंदू 'सभी का सम्मान करते हैं' और 'सभी को स्वीकार करते हैं'.

भागवत ने मानवता की मूल एकता को पहचानते हुए विविधता को अपनाने का भी आह्वान किया. हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है. यह उसे सुंदर बनाती है. यह उसकी शोभा है. हम इसका उत्सव मनाते हैं,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सोच विविधता को स्वाभाविक मानती है, जबकि एकता को मूल सच्चाई मानती है. यहां कई जातियां, कई पंथ और कई भाषाएं रही हैं. सब कुछ अनेक है. प्रकृति, सच्चाई की अभिव्यक्ति, विविध है. विविधता स्वाभाविक है. एकता ही सच्चाई है.

आपको सच्चाई को ध्यान में रखते हुए स्वाभाविक चीजों से निपटना होगा. यही भारत की प्राचीन सोच है,' उन्होंने आगे कहा. 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे इस विचार को मानते हैं कि पूरी दुनिया एक परिवार है. 'जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को अपनाते हैं. यानी यह विश्वास कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भले ही लोगों की शारीरिक बनावट अलग-अलग हो, 'मूल रूप से हम सब एक हैं।

अमेरिका: ग्रैंड कैन्यन में अचानक आई बाढ़, 15 लोग लापता; 62 को सुरक्षित निकाला

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद करीब 15 लोगों के लापता होने की खबर है। अचानक आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को प्रभावित किया। नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, धातु के ढांचे और अन्य मलबा बहाकर कोलोराडो नदी में ले गई। नेशनल पार्क सर्विस ने बताया कि वह प्रभावित इलाके से लोगों को निकालने और वहां मौजूद लोगों का पता लगाने के लिए एरिजोना के अधिकारियों के साथ काम कर रही है। एजेंसी ने लापता लोगों या इलाके में मौजूद पैदल यात्रियों के बारे में किसी भी जानकारी की अपील की है।

बाढ़ ने बहाए कई पुल, इलाके का बदला नजारा : शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे ब्राइट एंजेल क्रीक में अचानक बाढ़ शुरू हुई। यह नाला आगे जाकर कोलोराडो नदी में मिलता है। तेज बहाव ने नाले पर बने पैदल पुलों को बहा दिया और इलाके का स्वरूप काफी बदल गया। इलाके के वीडियो में नाले का तल पहले की तुलना में चौड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वहां नदी के तेज बहाव वाला एक नया हिस्सा भी बनता नजर आ रहा है। यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर कोलोराडो रिवर स्टडीज के निदेशक जैक शिमट ने कहा, 'यह याद दिलाता है कि ग्रैंड कैन्यन कितना गतिशील और सक्रिय भू-दृश्य है।' बाढ़ से बची एरिका वियोला ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि शनिवार दोपहर बारिश शुरू होने के समय वह ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड में थीं। उनके साथ करीब 50 अन्य पैदल यात्रियों ने नाले का जलस्तर बढ़ते देखा। इसके बाद मलबा बहना शुरू हो गया, जिसमें एक इमारत का हिस्सा भी नजर आया। उन्होंने बताया कि समूह को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस वजह से उनका अभियान तय समय से दो दिन पहले ही खत्म हो गया। फ्लैगस्टाफ में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी जस्टिन जॉन्ड्रो के अनुसार, चट्टानी इलाके में करीब 30 मिनट के भीतर आधा इंच से एक इंच तक बारिश हुई। इस इलाके में जमीन काफी ऊंचाई से नीचे की ओर जाती है। जॉन्ड्रो ने कहा, 'इसका ज्यादातर पानी तुरंत बह गया।' उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में आई, जहां ब्राइट एंजेल क्रीक नॉर्थ रिम से नीचे उतरकर कोलोराडो नदी में मिलती है।

गर्म होता हिमालय बढ़ा रहा आपदाओं का खतरा

त्सांगबू री , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में त्सांगबू री के पास ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने और उसके मलबे से भोटे कोसी-त्रिशूली नदी तंत्र में अचानक बाढ़ आने की घटना ने हिमालय में बढ़ते जलवायु और भूगर्भीय जोखिम की गंभीरता फिर सामने ला दी। वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय अब केवल बर्फ पिघलने की समस्या से नहीं, बल्कि पूरे पर्वतीय तंत्र में हो रहे बदलावों से जूझ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अध्ययन बताते हैं कि हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। इससे आने वाले दशकों में पानी की उपलब्धता के साथ-साथ ग्लेशियल झीलों के विस्तार और अचानक बाढ़ का जोखिम भी बढ़ रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ उनकी जगह बड़ी और अस्थिर झीलें बन सकती हैं। इन झीलों के किनारे अक्सर बर्फ, चट्टान और ढीले मलबे से बने होते हैं। भूकंप, अत्यधिक बारिश, हिमस्खलन या चट्टान गिरने से इनके टूटने पर कुछ ही मिनटों में भारी मात्रा में पानी और मलबा नीचे की घाटियों में पहुंच सकता है। तापमान बढ़ने से यह पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। इसके कमजोर होने से चट्टानी ढलानों की स्थिरता घट सकती है।

आइसलैंड के लोगों का ईयू में शामिल होने से इनकार : रेक्याविक, एजेंसी। आइसलैंड के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के सरकार के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सरकारी प्रसारक आरयूवी ने बताया कि अभी कुछ मतों की गिनती बाकी है, लेकिन इनके नतीजे से परिणाम बदलने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने सदस्यता को व्यापार युद्धों और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा के लिए जरूरी बताते हुए इसे अब या कभी नहीं का मौका करार दिया था।

मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों से की एकजुट होने की अपील, अमेरिका-इजरायल को बताया क्षेत्र का बड़ा दुश्मन

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के छह महीने पूरे होने के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों और इस्लामी राष्ट्रों के नाम बड़ा संदेश जारी किया है। उन्होंने क्षेत्र के देशों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की अपील की और अमेरिका तथा इजरायल को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। खामेनेई का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब लंबे समय से जारी संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया में राजनीतिक और सैन्य तनाव बढ़ा दिया है। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर जारी लिखित बयान में मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों के बीच सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने साझा हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मुस्लिम देशों में फूट से दुश्मनों को फायदा : मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि मुस्लिम समुदाय और इस्लामी देशों के बीच किसी भी तरह का विभाजन बाहरी शक्तियों को फायदा पहुंचाता है। उनके अनुसार, राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों को बढ़ाने वाले कदम क्षेत्र की एकता को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति या नेतृत्व अगर ऐसा कार्य करता है जिससे समाज और देशों के बीच फूट पैदा हो, तो इसका लाभ उन ताकतों को मिलता है जो क्षेत्र को अस्थिर रखना चाहती हैं। खामेनेई ने खाड़ी देशों के नेताओं से आपसी सहयोग बढ़ाने और साझा सुरक्षा हितों पर मिलकर विचार करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव से अलग होकर क्षेत्रीय देशों को अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के आधार पर भविष्य की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों के बाद बढ़ा तनाव : युद्ध के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कई बार गंभीर स्तर तक पहुंच चुका है। संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईरान की सर्वोच्च राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व व्यवस्था में बड़े बदलाव हुए और मोजतबा खामेनेई ने देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी संभाली। पद संभालने के बाद उन्होंने सार्वजनिक भाषणों या वीडियो संदेशों के बजाय मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए अपने विचार रखे हैं। पिछले छह महीनों के दौरान क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ीं और ईरान की ओर से कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी सामने आए। इन घटनाओं के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत, कतर और बहरीन समेत कई देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर ही नहीं, बल्कि ईरान की घरेलू स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील की।

उत्तरी साइप्रस के पास लगभग 270 लोगों को ले जा रही एक फेरी पलटी, 8 लोगों की मौत

बोडरम (तुर्की), एजेंसी। उत्तरी साइप्रस के तट पर रविवार (30 अगस्त) को एक दर्दनाक घटना घटी। लगभग 270 यात्रियों और क्रू सदस्यों को ले जा रही एक फेरी के पलट जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस दौरान खबर सामने आई कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 22 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

कहां जा रही थी फेरी : कैटामरन शैली की यह फेरी उत्तरी साइप्रस के क्यरेनिया (गिर्ने) बंदरगाह से मर्सिन प्रांत के तुर्की बंदरगाह तसुचु जा रही थी। मिली जानकारी के मुताबिक, ये फेरी साइप्रस तट से लगभग 7.5 किलोमीटर दूर ही हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे के बाद लोग फेरी के आसपास पानी में लाइफ जैकेट पहने दिखे। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया गया। इस मामले में उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्टेल का बयान भी सामने आया। उन्होंने तुर्की राज्य प्रसारक टीआरटी न्यूज चैनल को बताया कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है। 24 लोगों की तलाश जारी है। काइरेनिया के मेयर मूरत सेनकुल ने कहा कि यह जहाज़ फिलो डेनिज़सिलिक फेरी कंपनी का था और साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास डूब गया. टीआरटी ने बताया कि फेरी में तट से लगभग 7.5 किलोमीटर (4 नॉटिकल मील) दूर पानी भरने लगा. मौके के वीडियो फुटेज में लोग पलटी हुई नाव के आसपास पानी में लाइफ-वेस्ट पहने तैरते हुए दिख रहे हैं. वहीं नॉर्थ साइप्रस के ट्रांसपोर्टेशन मंत्री एरहान अरिकली ने कहा कि अभी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. मंत्री ने आगे बताया, हमें नहीं पता कि जहाज में पानी किस वजह से भरा है. हालांकि, कई कंपनियां कायरिनिया और तासुकु के बीच व्यस्त मार्ग पर फेरी चलाती हैं. बता दें कि मेडिटेरियन सागर में नाव के हादसे का शिकार होना आम बात है। पिछले साल मार्च में साइप्रस के केप ग्रेको के पास एक नाव पलटी थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी. उस्टेल ने ये भी बताया कि फेरी इस हादसे का शिकार क्यों हुई। उन्होंने बताया कि फेरी को प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। रवाना होने के महज 15 मिनट बाद ही उसमें पानी भरने लगा था। इसके थोड़े समय बाद ही मदद के लिए कॉल किया गया था। क्यरेनिया के मेयर मुरात सेंकुल इस मामले पर बताया कि साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास फेरी डूबी थी। वियतनाम में भी स्पीडबोट पलटने से भी हुई थी 15 लोगों की मौत जुलाई की शुरुआत में वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास हॉन मे रट न्गोई के पास 32 भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था।

नेपाल त्रासदी: प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सुरंग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा है।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सुरंग में रोशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सुरंग में जाने पर सात मीटर व्यास वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सुरंग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूझबूझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी। 47 साल के दवाड़ी ने उसे वापस भेजा। जैसे ही बस पुल के दूसरी ओर पहुंची, पुल बह गया। कुछ ही देर में त्रिशूली नदी के सैलाब में तीन मंजिला स्कूल भवन पूरी तरह बह गया।

अब तक 788 मौतों की पुष्टि, 2500 से अधिक लापता : नेपाल में 26 अगस्त को आई आपदा में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। 2,502 लोग लापता हैं। इनमें 512 विदेशी नागरिक हैं। अब तक 9435 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अपनों को खोजने के लिए लोग तस्वीरें लेकर अस्पतालों के सामने खड़े हैं। शवों की पहचान के लिए आए परिजन अपना दर्द छिपा नहीं पा रहे।

दिल्ली में रहने वाले नेपाली भी मदद के लिए तत्पर, जुटाए 90 लाख : अपने परिवार और परिचितों की सलामती जानने के लिए लोग लगातार संपर्क कर रहे हैं। कई लोग अपनों को खो चुके हैं, जबकि कइयों के परिजन अब भी लापता हैं। ऐसे मुश्किल समय में दिल्ली में रहने वाले नेपाली मूल के लोगों ने अपनी कमाई से नेपाल की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। दिल्ली में नेपाली मूल के करीब दो से तीन लाख लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में नौकरी और दूसरे काम करने वाले लोगों की है। दिल्ली में नेपाली समुदाय से जुड़ी करीब 23 संस्थाएं सक्रिय हैं। इन संस्थाओं ने मिलकर अब तक करीब 90 लाख रुपये जुटाए हैं। यह राशि नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी गई है। मित्र मंच मानव कल्याण समिति के महासचिव कांशीराम आचार्य ने बताया कि 90 लाख रुपये का योगदान आपदा के सामने भले ही छोटा हो, लेकिन समुदाय अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। दिल्ली-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष युबराज बराल ने बताया कि दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों से नेपाल की मदद के लिए आगे आने की अपील की जा रही है।

जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक : अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एशविले, एजेंसी। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लेने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार (अमेरिकी स्थानीय समय) को अमेरिका के साउथ कैरोलिना पहुंचीं। इस बैठक में ग्लोबल ग्रोथ, आर्थिक असंतुलन, सरकारी कर्ज और ईरान संघर्ष के नतीजों पर चर्चा होगी। ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सीतारमण का स्वागत किया। सीतारमण सोमवार से नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में शुरू होने वाली दो दिवसीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। भारत के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीड?िया प?लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्ट में लि?खा, 'केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण का आज साउथ कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत किया।

मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री अगले दो दिनों तक नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी20 और उससे जुड़ी बैठकों में भाग लेंगी। रविवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वार्श भी एशविल पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों जॉइंट बेस एंड्रयूज से एक साथ वहां पहुंचे। बेसेंट जी20 के 19 सदस्य देशों, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ के वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक गवर्नरों की मेजबानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और आमंत्रित संगठनों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका ने अपनी जी20 वित्तीय अध्यक्षता के दौरान आर्थिक विकास को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाया है। एशविल पहुंचने के बाद स्कॉट बेसेंट ने 'एक?स' पर लिखा, 'जैसे राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई गति देने और उसे अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाने पर काम कर रहे हैं, वैसे ही हम भी इस वर्ष जी20 वित्तीय ट्रैक के मेजबान के रूप में आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया भर के नीति

निर्माताओं और निजी क्षेत्र के नेताओं के साथ मिलकर यह संदेश देना चाहते हैं कि मजबूत आर्थिक विकास न केवल संभव है, बल्कि जरूरी भी है।' बैठक में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लंबे समय से बने ग्लोबल आर्थिक असंतुलन को दूर करने, सरकारी ऋण संबंधी चुनौतियों से निपटने और अधिक मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। ईरान से जुड़े संघर्ष के आर्थिक प्रभाव, खासकर ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले व्यापार में व्यवधान, भी चर्चा के प्रमुख विषय रहेंगे। बताया जा रहा है कि अमेरिका इस बैठक और द्विपक्षीय वार्ताओं के जरिए ईरान के आर्थिक संबंधों को सीमित करने के अपने अभियान के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, प्रतिबंधों, व्यापार शुल्कों (टैरिफ) और चीन की औद्योगिक नीतियों जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण किसी व्यापक सहमति वाले दस्तावेज पर पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। जी20 बैठक में शामिल होने से पहले सीतारमण ने शिकागो में निवेश, नवाचार और भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर केंद्रित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। एक कारोबारी गोलमेज बैठक में उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत में विनिर्माण इकाइयां, प्रौद्योगिकी केंद्र और नवाचार केंद्र स्थापित करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि कंपनियां भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों की सेवा देने के आधार के रूप में उपयोग कर सकती हैं। सीतारमण ने कहा, 'नीतिगत माहौल लगातार ऐसा बनाया जा रहा है जिससे व्यवसायों को निवेश, विनिर्माण, नवाचार और विस्तार करने में सुविधा मिले। जब वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन और पूंजी निवेश की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही हैं, तब भारत केवल एक बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश और संचालन के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करता है।' वित्त मंत्री ने कृषि, रक्षा प्रौद्योगिकी और आतिथ्य क्षेत्र की कई प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इन बैठकों में एडीएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्त अधिकारी मोनीश पटोलावाला, शील्ड एआई के सह-संस्थापक और अध्यक्ष ब्रैंडन सेंग, तथा हयात के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क एस होपलामाजयिन शामिल थे। सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के राजकोषीय सुधार कार्यक्रम, भारत के आर्थिक लक्ष्यों तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौतों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा की। एशविल में अपनी बैठकों के बाद सीतारमण निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए न्यूयॉर्क जाएंगी। यह उनकी छह दिवसीय अमेरिका यात्रा का हिस्सा है।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

सीएम ने खटीमा में नगर वन ऑक्सीजन पार्क का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने खटीमा में सर्किट हाउस, स्टेडियम सहित विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं की

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा में नवनिर्मित नगर वन ऑक्सीजन पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पार्क परिसर में पौधरोपण करने के साथ ही पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर वन ऑक्सीजन पार्क का विस्तारीकरण करने, वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय को पार्क परिसर में स्थानांतरित करने, खटीमा में स्टेडियम का निर्माण करने, क्रियाशाला का निर्माण करने, सर्किट हाउस का निर्माण करने और वेंडिंग जोन विकसित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा की भौगोलिक स्थिति पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। व्यास वैली, पंचाचूली और आदि कैलाश की ओर जाने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खटीमा में सर्किट हाउस का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने नगर वन ऑक्सीजन पार्क के विस्तारीकरण एवं आवश्यक संसाधनों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर वन ऑक्सीजन पार्क के निर्माण से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध होगा। पार्क को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने पार्क परिसर में महिलाओं की सुविधा के लिए पिंक शौचालय बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक तापवृद्धि और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच वनों और पर्यावरण का महत्व और अधिक बढ़ गया है। विकास और पर्यावरण अर्थात इकोलॉजी और इकोनॉमी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति और पर्यावरण के साथ संतुलन बनाते हुए आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी रोजगार और आजीविका के स्थायी अवसर सृजित किए जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही है। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर सांसद अजय भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, दर्जाधारी राज्य मंत्री मोहिनी पोखरिया, गंभीर सिंह धामी, डॉ. अनिल कपूर 'डब्बू', किशन सिंह किन्ना, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, वन संरक्षक नीतिशमणि त्रिपाठी, प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, यू.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा आदि मौजूद थे।

एक गुरु के भरोसे तीन कक्षाओं के 62 बच्चे

पुरोला। मोरी प्रखंड के फते पर्वत पट्टी स्थित राजकीय जूनियर हाईस्कूल खन्यासणी में चार गांवों के 62 छात्र-छात्राओं की पढ़ाई महज एक शिक्षक के भरोसे है। विद्यालय में देवल, खन्यासणी, पुजेली और लुडग्याट गांव के बच्चे कक्षा छह से आठ तक अध्ययनरत हैं। पर्याप्त छात्र संख्या के बावजूद शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

खन्यासणी के ग्राम प्रधान किशन सिंह चौहान ने बताया कि एक शिक्षक के लिए तीन कक्षाओं को एक साथ पढ़ाना संभव नहीं है। इसका सबसे अधिक असर गणित और विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पड़ रहा है। शिक्षकों की कमी के चलते आर्थिक रूप से सक्षम अभिभावक बच्चों को गांव से बाहर निजी स्कूलों में भेजने को मजबूर हैं जबकि गरीब परिवारों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूल ही एकमात्र विकल्प है।

विद्यालय भवन की जर्जर हालत ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। प्रधान ने बताया कि भवन की छत काफी खराब हो चुकी है और बरसात में पानी टपकने से कक्षाओं में बैठना मुश्किल हो जाता है। जर्जर छत से कभी भी हादसे का खतरा बना है। खंड शिक्षा अधिकारी मोरी पंकज शर्मा ने बताया कि प्रखंड के प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी है। मोरी के 32 जूनियर हाईस्कूलों में पांच विद्यालय शिक्षक विहीन हैं जबकि 27 विद्यालयों में केवल एक-एक शिक्षक तैनात है। टीईटी परीक्षा के चलते शिक्षकों के प्रमोशन नहीं होने से भी रिक्तियां बनी हुई हैं।

बदरीनाथ धाम में चार को भव्य स्वप से मनेगी जन्माष्टमी

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व चार सितंबर को धूमधाम और भव्य तरीके से मनाया जाएगा। पर्व को लेकर बीकेटीसी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। भगवान बदरीनाथ के मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। जन्माष्टमी की मध्यरात्रि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा-अर्चना और आरती की जाएगी।

बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि जन्माष्टमी पर बदरीनाथ मंदिर में रावल अमरनाथ नंबूदरी, धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल और वेदपाठी रवींद्र भट्ट की ओर से विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के अवसर पर विशेष आरती और पूजा होगी। इस दौरान बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रंगड़ भी मौजूद रहेंगे। वहीं, बदरीश पंडा पंचायत की ओर से पांच सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पंचायत के अध्यक्ष प्रवीण ध्यानी ने बताया कि बामणी गांव से विभिन्न झांकियां बदरीनाथ मंदिर पहुंचेंगी। इसके बाद मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बोल्डर गिरने से देवाल— थराली मार्ग बंद

देवाल। कोठी-नंदकेशरी के बीच बोल्डर गिरने से स्टेट हाईवे देवाल-थराली मोटर मार्ग बंद हो गया। ऐसे में सड़क के दोनों ओर कई वाहन फंसे हैं। देहरादून-हल्द्वानी जाने वाले लोग चट्टानी मार्ग से करीब दो किमी पैदल चलकर दूसरी ओर पहुंचे। मार्ग बंद होने से कोठी गांव के करीब 30 बच्चे विद्यालय नहीं पहुंच पाए। नंदकेशरी के पास मंगलवार सुबह से लगातार बोल्डर और मलबा गिरने से सड़क बंद हो गई। यहां उत्तराखंड परिवहन की बस समेत कई वाहन फंसे हैं। देवाल-बोरागाड़ मोटर मार्ग भी सिलंगी के पास बोल्डर गिरने से बंद है। हाटकल्याड़ी-बेराधार, देवसारी और बोरागाड़-खेता मामनती सड़क भी बंद हैं। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि नंदकेशरी में सड़क खोलने के लिए पोकलेन मशीन खड़ी है। लगातार बारिश के कारण मलबा हटाने का काम नहीं हो पा रहा है। बारिश बंद होने पर काम शुरू किया जाएगा।

मकान के आगे का पुश्ता ढहा

गौचर। लगातार बारिश से पालिका क्षेत्र के बसंतपुर तोक में एक मकान के आंगन का पुश्ता ढह गया। सूचना पर पालिका के अवर अभियंता ने मौके का निरीक्षण किया। वार्ड सभासद बंदना राणा ने बताया कि भारी बारिश के कारण बसंतपुर तोक निवासी दीपक कुमार के मकान के आंगन का पुश्ता ढह गया। गनीमत रही कि घटना के समय आंगन में कोई नहीं था।

जिला अस्पताल में गंदगी का डेरा, मरीजों पर अव्यवस्थाओं की मार

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों को इलाज के साथ गंदगी, खराब शौचालय, बंद पड़े वाटर कूलर और अस्पताल परिसर में घूमते लावारिस कुत्तों जैसी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल के अंदर फर्श पर गंदगी चिपकी है जबकि शौचालयों की स्थिति भी खराब है। शौचालयों के बाहर गंदगी बिखरी मिली तो बाथरूम की पानी की टंकियों के आसपास भी कूड़ा फैला था। वहीं मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाए गए कई वाटर कूलर पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण शोपीस बने हैं।

जिला अस्पताल परिसर में लगे कई वाटर कूलरों में पानी ही नहीं था तो कई में पानी नहीं आ रहा था। महिला अस्पताल के दूसरे तल पर लगा वाटर कूलर भी पानी नहीं दे रहा था। महिला अस्पताल में भी साफ-सफाई व्यवस्था कमजोर नजर आई। परिसर के कई हिस्सों में गंदगी दिखाई दी। लावारिस कुत्तों ने परिसर में जगह-जगह गंदगी फैला रखी थी और उनकी पहुंच दूसरी मंजिल तक भी दिखाई दी। अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों के बैठने के लिए रखी गई कुछ कुर्सियां भी टूटी पड़ी है। हालांकि अस्पताल परिसर में कुछ स्थानों पर पेयजल और अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त भी मिली लेकिन कुल मिलाकर जिला अस्पताल और महिला अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं दिखाई दी।

संक्षिप्त समाचार

जीप व सूमो यूनियन में तीन साल तक नए वाहन नहीं होंगे शामिल

पुरोला। मंदी की मार झेल रहे पुरोला के कमलेश्वर महादेव जीप व सूमो ड्राइवर व ऑनर्स यूनियन ने संगठन में नए वाहनों को शामिल नहीं करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को यूनियन की बैठक में वाहन कारोबार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में यूनियन के अंतर्गत करीब 250 टैक्सियां संचालित हो रही है लेकिन यात्रियों की कमी के कारण कई वाहन स्वामियों को अपनी बारी के लिए एक सप्ताह से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई बार 15 दिनों तक भी वाहन खड़े रहने की स्थिति बन रही है। यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि पुरोला क्षेत्र में टैक्सी कारोबार लगातार कमजोर हो रहा है। कई बार वाहन स्वामियों को केवल यात्रा सीजन शुरू होने का इंतजार करना पड़ता है। वहीं बाजार क्षेत्र में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से भी वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

गोपेश्वर के इग्नू में अब 15 तक लें प्रवेश

गोपेश्वर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के जुलाई 2026 सत्र में ऑनलाइन और ओडीएल (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग) माध्यम से नए प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। प्रमाणपत्र आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर अन्य कार्यक्रमों में छात्र-छात्राएं विलंब शुल्क 200 रुपये के साथ प्रवेश ले सकेंगे।इग्नू क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र गोपेश्वर के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. अमित कुमार जायसवाल ने बताया कि प्रवेश से वंचित शिक्षार्थियों के लिए यह अवसर उपयोगी है। विद्यार्थी इग्नू की प्रवेश वेबसाइट पर जाकर संबंधित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ओडीएल माध्यम में प्रवेश के लिए इग्नू एडमिशन पोर्टल और ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए इग्नू ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि इग्नू से प्राप्त डिग्री और डिप्लोमा देशभर के विश्वविद्यालयों से प्रदान की जाने वाली संबंधित डिग्री एवं डिप्लोमा के समकक्ष मान्य हैं। उन्होंने इच्छुक शिक्षार्थियों से निर्धारित तिथि से पहले प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अपील की।

दिवागाड़ में चार दिनों से सड़क बंद

गैरसैंण। खनसरघाटी के दूरस्थ गांव कंडारी खोड़ को बीएमबी मोटरमार्ग से जोड़ने वाली सड़क दिवागाड़ में चार दिनों से बंद है। छह से आठ किमी के बीच भूधंसाव, पुश्ता ढहने और बोल्डर गिरने से सड़क क्षतिग्रस्त हुई है। कौशल रावत, बिंदी देवी, सुरेंद्र सिंह, दिनेश, हरेंद्र सिंह, हरक सिंह और पान सिंह ने कहा कि किमी छह से आठ तक सड़क का समरेखण बिना भूगर्भीय जांच के गलत ढंग से किया गया है जिससे आए दिन नुकसान हो रहा है। वहीं पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता विनोद बडोनी ने कहा कि जल्द बोल्डर हटाकर मार्ग खोल दिया जाएगा।

हाईवे से नीचे गिरी कार, चार लोग चोटिल

कर्णप्रयाग। मंगलवार सुबह कर्णप्रयाग-ग्वालदम हाइवे के बगोली में एक कार अनियंत्रित होकर हाइवे से नीचे गिर गई। हादसे में चार लोग चोटिल हो गए। घायलों को पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से खाई से बाहर निकाला गया और निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया। सिमली पुलिस के अनुसार सुबह 9.45 बजे बागेश्वर से गौचर जा रही एक कार बगोली में अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में धर्मेंद्र सिंह राणा (39) साक्षी राणा (36), आरवी राणा (7), और जागृति (5) चोटिल हो गए। उन्होंने बताया कि चारों लोगों की स्थिति ठीक है।

45 लोग बुखार से पीड़ित, सूचना देने के बाद भी नहीं पहुंची टीम

देवाल। ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम पंचायत बलाण में पिछले एक सप्ताह से बुखार से 45 लोग पीड़ित हैं। ग्राम प्रधान और बीडीसी मेंबर ने इस संबंध में सूचना दी। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने सीएमओ से गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजने की मांग की।

बड़ी जात में भी सुंग गांव का चौसिंग्या खाडू बनेगा मां नंदा का मार्गदर्शक

चमोली। चार सींगों वाला आठ माह का मेढ़ा इस बार नंदा देवी की बड़ी जात की आस्था का केंद्र बनेगा। जन्म से ही मां नंदा की जात के लिए समर्पित यह चौसिंग्या खाडू पांच सितंबर को कुरुड़ से कैलाश की ओर निकलने वाली यात्रा में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा। पांच सितंबर से शुरू होने वाली नंदा देवी बड़ी जात में सुंग गांव के रमेश सिंह बिष्ट का आठ माह का चौसिंग्या खाडू (चार सींगों वाला मेढ़ा) मां नंदा के कैलाश जाने का मार्गदर्शक बनेगा। वर्ष 2014 में भी सुंग गांव से ही चौसिंग्या खाडू मां नंदा का देवरथ बना था। रमेश सिंह ने चार सींगों वाले मेढ़े का जन्म होते ही उसे मां नंदा की जात के लिए समर्पित कर दिया था। पिछले तीन माह तक यह मेढ़ा चीन सीमा क्षेत्र लपथल बुग्याल में चरान के लिए गया था। 28 अगस्त को मेढ़ा सुंग गांव लाया गया। ग्राम प्रधान सुंग तीरथ सिंह बिष्ट का कहना है कि तीन सितंबर को चौसिंग्या खाडू को कुरुड़ मंदिर में ले जाया जाएगा। पांच सितंबर को मां नंदा की कैलाश विदाई में यह मेढ़ा मार्गदर्शक रहेगा। कहा कि 2014 में सुंग गांव के ही केदार सिंह बिष्ट का खाडू मां नंदा का देवरथ बना था।

देवी स्वरूप माना जाता है खाडू

मां नंदा की जात 12 साल बाद होती है। बड़ी जात के आयोजन से पहले ही क्षेत्र के गांवों में चौसिंग्या खाडू का जन्म हो जाता है। यह चार सींग वाला होता है। इसे मां नंदा का शुभदूत और संदेशवाहक माना जाता है। यह दुर्लभ चार सींगों वाला खाडू लगभग 280 किलोमीटर लंबी कठिन पदयात्रा के दौरान मां नंदा की डोली और भक्तों के सबसे आगे चलता है। लोग खाडू की पीठ पर ओढाए जाने वाले कपड़े पर मां नंदा के लिए श्रृंगार सामग्री, वस्त्र स्थानीय पकवान, कीमती आभूषण बांधते हैं। यात्रा के अंतिम पड़ाव होमकुंड पर पहुंचने के बाद इसे सामग्री सहित कैलाश की ओर अकेला विदा किया जाता है, जहां यह हिमालय की श्रृंखलाओं में आगे जाकर अंततः विलुप्त हो जाता है।

फार्मासिस्ट ने बांह पर कालीपट्टी बांधकर किया काम

गोपेश्वर/पोखरी। पदोन्नत वेतनमान और फार्मेसी रेगुलेशन एक्ट-2016 लागू करने सहित पांच सूत्री मांगों के लिए डिप्लोमा फार्मासिस्टों ने मंगलवार से आंदोलन शुरू कर दिया। उन्होंने विरोध में बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और कार्यालयों में काम किया। फार्मासिस्टों की प्रमुख मांगों में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने पर पदोन्नति वेतनमान का लाभ देने, राज्य में फार्मेसी रेगुलेशन एक्ट-2016 लागू करने, चारधाम यात्रा ड्यूटी के लंबित भुगतान का जल्द निस्तारण करने, ओडिशा और असम की तर्ज पर स्वतंत्र रूप से दवा लिखने का अधिकार देने तथा उपकेंद्रों पर समाप्त किए गए 391 फार्मासिस्टों के पदों को पुनर्जीवित करने की मांग शामिल है। संगठन के जिला महामंत्री लखपत सिंह नेगी ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिलेभर के फार्मासिस्टों ने मंगलवार को बांह पर काला फीता बांधकर काम किया और विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यदि शासन ने मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन चरणबद्ध तरीके से और तेज करेंगे।

मसूरी-देहरादून मार्ग पर पानीवाला बैंड के पास भू-धंसाव

मसूरी, मसूरी-देहरादून मार्ग पर पानीवाला बैंड के पास आज मंगलवार सुबह करीब पांच बजे भू-धंसाव होने से सड़क यातायात के लिए बंद हो गया। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रुक गई। सूचना मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग ने मौके पर जेसीबी मशीन लगाकर मलबा हटाने और सड़क खोलने का कार्य शुरू कर दिया।

लोक निर्माण विभाग के अपर सहायक अभियंता प्रदीप सिंह शाही ने बताया कि मौके पर रोड़ कटिंग कार्य चल रहा है। इस स्थान पर हिल साइड कटिंग का काम भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम लगातार सड़क खोलने में जुटी हुई है। जल्द ही मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं मार्ग बंद होने से मसूरी और देहरादून के बीच आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

उत्तरांद ने की प्रभावी रोजगार नीति लागू करने की मांग

गोपेश्वर। उत्तराखंड क्रांति दल ने राज्य में प्रभावी और ठोस रोजगार नीति लागू करने की मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में उत्तरांद के केंद्रीय प्रवक्ता सत्यप्रकाश सती ने कहा कि उत्तराखंड राज्य बने 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। राज्य आंदोलन के दौरान रोजगार प्रमुख मुद्दों में शामिल था, लेकिन आज तक प्रदेश में ठोस रोजगार नीति नही बन पाई है। उन्होंने कहा कि राज्य में बारी-बारी से दोनों राष्ट्रीय दलों की सरकारें सत्ता में आईं, लेकिन युवाओं के रोजगार के लिए प्रभावी नीति बनाने में सरकारें असफल रही हैं। रोजगार के पर्याप्त अवसर नही होने के कारण प्रदेश के युवा लगातार पलायन कर रहे हैं और रोजगार की तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की युवा शक्ति राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, लेकिन रोजगार के अभाव में उसका लाभ प्रदेश को नही मिल पा रहा है।

ढोल-नगाड़ों से किया कोणेश्वर महादेव की डोली का स्वागत

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के पुजाल्डी गांव में भगवान श्री कोणेश्वर महादेव का द्विवार्षिक हरियाली एवं कालरात्रि महायज्ञ धूमधाम से आयोजित किया गया। श्री कोणेश्वर महादेव की डोली के तेवा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इस दौरान फूल-अक्षत चढ़ाने के साथ रांसो-तांदी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

रात गांव में कालरात्रि का आयोजन हुआ। इस दौरान देवता का पश्वा अवतरित हुआ। श्रद्धालुओं ने देवता के पश्वा से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया। रातभर गांव में भजन-कीर्तन चलता रहा। तांदी और पांडव नृत्य आयोजन के मुख्य आकर्षण रहे।

मंगलवार को पंचायती चौक में ग्रामीणों ने दूध, धूप, दीप, फूल-अक्षत और घर में बनाए पारंपरिक व्यंजनों से कोणेश्वर महाराज की डोली की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोला सिंह परमार, गौरव तिवारी, पूर्व प्रधान लाखी सिंह परमार, भगत सिंह रावत, विक्रम सिंह परमार, सुंदर सिंह परमार मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने किया सीमांत क्षेत्र में शहीद स्मारक एवं विशाल तिरंगे का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनबसा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सैनिक स्मारक एवं झंडा पार्क का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

एसएसबी जवानों द्वारा बिगुल वादन के बीच मुख्यमंत्री सहित उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान नेपाल-भारत सीमा के इस प्रमुख सीमांत क्षेत्र में नवनिर्मित शहीद स्मारक का लोकार्पण किया गया तथा विशाल राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्र में शहीद स्मारक और विशाल तिरंगे का लोकार्पण अत्यंत गौरव एवं सम्मान का क्षण है। यह स्मारक देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान की स्मृतियों को सदैव जीवंत रखेगा। उन्होंने कहा कि यह स्मारक युवाओं को देश सेवा, त्याग और समर्पण के लिए निरंतर प्रेरित करेगा। उत्तराखंड की सैन्य परंपरा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड वीर सैनिकों की भूमि है। प्रदेश के लगभग हर परिवार का किसी न किसी रूप में सेना अथवा अर्धसैनिक बलों से जुड़ाव रहा है और यहां के वीर जवान राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल उमेद सिंह (से.नि.), एसएसबी कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम सहित अन्य अधिकारी, सेवानिवृत्त सैनिक, वीर माताएं एवं वीर नारियां उपस्थित रहे।

वीर नारियों एवं वीरता पदक विजेता सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीर नारियों एवं वीरता पदक विजेता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने वीर नारी श्रीमती सरस्वती देवी, लक्ष्मी देवी, कमला देवी, खीमा देवी, श्रीमती माया चन्द, सरस्वती देवी, ललिता चन्द, गीता देवी, पिंकी रैसवाल को सम्मानित किया। इसके साथ ही वीर माता लक्ष्मी देवी, वीरता पदक विजेता सूबेदार गोपाल दत्त शर्मा (सेना मेडल) को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स्[ाड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

वैभव ने बनाए 40 रन, ईस्ट जोन को 159 का मिला टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब

रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे शमी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 3 विकेट लेकर प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ छठे भारतीय गेंदबाज बने। शमी ने 36 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल किया।

ब्राजील के खिलाफ भारत ने टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें- पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.
डिफेंडर-अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, हिमंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.
मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.
फॉरवर्डएडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।
चार रिजर्व खिलाड़ी- गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतकर चीन के सबसे बड़े खेल सितारों में अपनी जगह मजबूत की थी।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुई।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6-1, 7-5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6-0 की शानदार जीत के साथ 6-4, 3-6, 6-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुईं भावुक वीडियो और फोटो शेयर किया

नई दिल्ली। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा।

तुम्हें इस तरह सफर खत्म करते देखना गर्व की बात

एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।' उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।' यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है।

बच्चों के लिए सबसे खास रही पिता की कहानी

एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।' मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं। खास तौर पर 2022 विश्व कप जीत उनके परिवार के लिए बेहद खास रही। अर्जेंटीना ने कतर में फ्रांस को हराकर विश्व कप जीता था और मेसी ने पहली बार अपने करियर में यह ट्रॉफी उठाई थी। एंटोनेला ने लिखा कि उनके बच्चों को मेसी को सब कुछ हासिल करते और विश्व कप की ट्रॉफी उठाते देखने का मौका मिला।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए भारतीय टी20 टीम घोषित

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने उतरेगी। इस टीम में सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। इस सीरीज के लिए टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल किया गया है, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा।

दिल्ली में होंगे मुकाबले

भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच हालिया क्रिकेट संबंध भी लगातार मजबूत हुए हैं। दोनों टीमों ने जून 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली थी। इसके अलावा जनवरी 2024 में दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज भी हुई थी। सितंबर की आगामी टी20 सीरीज के बाद भारत और अफगानिस्तान तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला कर चुके होंगे।

डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी, लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। लाबुशेन ने पिछली 18 वनडे पारियों में 21.87 की औसत से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

स्टार्क भी साउथ अफ्रीका सीरीज में वनडे टीम में वापसी करेंगे। जोश हेजलवुड दोनों सीरीज के लिए टीम में हैं। स्पेंसर जॉनसन भी एक साल से ज्यादा समय बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे, जबकि बिली स्टेनलेक को भी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।